छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 280 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 05 नवम्बर 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

कोरबा का 'गिरी गैंग' मंदिर में चेन स्नेचिंग की वारदात को दिया था अंजाम

महिला ने 95 हजार का हार गायब होने की दर्ज कराई थी रिपोर्ट, 04 आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नवरात्रि के समय हुई चेन स्नेचिंग की वारदात का पुलिस ने पर्दाफाश या है। इस मामले में पुलिस ने कोरबा जिले के एक ही परिवार के 4 लोगों के गिरोह को पकड़ा है। ये लोग त्योहारों के मौके पर मंदिरों में भीड़ का फायदा उठाकर महिलाओं के गले से सोने की चेन खींचकर फरार हो जाते थे। जानकारी के मुताबिक, केदारपुर निवासी ओमप्रकाश जायसवाल अपनी पत्नी के साथ नवरात्रि के मौके पर बीते 18 अक्टूबर को अंबिकापुर के









एक मंदिर में दर्शन करने गए थे। मंदिर में भीड़ का फायदा उठाकर किसी ने उनकी पत्नी के गले से करीब 95,000 रुपये कीमत का सोने का चेन खींच लिया। जब तक उन्हें पता चलता, स्नेचर भीड़ में गायब हो चुका था। उन्होंने तुरंत थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस मामले में धारा 303(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मंदिर के आसपास के सीसीटीव्ही फुटेज खंगाले, लेकिन भीड़ के कारण आरोपी स्पष्ट नजर नहीं आए।

चोरी का माल बेचने निकले तो पकड़े गए

पुलिस चेन स्नेचिंग के इस मामले में लगातार आरोपियों का पतासाजी कर रही थी। इसी बीच 4 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली कि, 4 संदिग्ध युवक शहर में सोने का टुकड़ा बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। सूचना पर कोतवाली और मणीपुर की संयुक्त टीम ने तुरंत घेराबंदी की और 4 लोगों को पकड़ा। तलाशी लेने पर उनके पास से सोने के आभूषण के टुकड़े मिले। कड़ाई से पूछताछ करने पर चारों टूट गए और बताया कि 18 अक्टूबर को मंदिर में उन्होंने ही चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम दिया था। बाद में चेन को तोड़कर टुकड़ों में बेचने की योजना थी।

इन आरोपियों को गिरफ्तार की पुलिस

पुलिस ने बताया कि चारों आरोपी रिश्तेदार हैं और पेशेवर चोर हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में संतोष गिरी (28) व पिंकू गिरी (25) दोनों सगे भाई, पिता राजकुमार गिरी, अमर गिरी (19) पिता संतोष गिरी, रामकुमार गिरी (32) पिता उदल गिरी सभी निवासी कौनकोना, ठिहाईपारा, थाना बांगो, जिला कोरबा शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी गई सोने की चेन के टुकड़े जब्त किए हैं। चारों को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस अब पता लगा रही है कि इस गैंग ने अंबिकापुर और कोरबा में और कितनी वारदातें की हैं।

स्नेचर तक पहुंचने में इनकी अहम भूमिका

इस पूरी कार्रवाई में कोतवाली थाना से निरीक्षक अच्युतचंद तिवारी, मणीपुर थाना प्रभारी उपनिरीक्षक सीपी तिवारी, सहायक उपनिरीक्षक अनिल पांडेय, प्रधान आरक्षक नीरज पांडेय, रजनीकांत मिश्रा, आरक्षक उमाशंकर साहू, अतुल सिंह, मनीष सिंह, रामाशंकर यादव, अनिल परिहार, शिव राजवाड़े, सैनिक दिनेश यादव सक्रिय रहे।

झारखंड के डॉक्टर की डिग्री में कूटरचना, महावीर अस्पताल में 2 साल से बिहार का युवक डाक्टर बनकर कर रहा था नौकरी

क्यूआर कोड स्कैन करने से खुली पोल, स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल का लाइसेंस किया सस्पेंड, आरोपी की अग्रिम जमानत खारिज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अंबिकापुर के निजी अस्पतालों में किस तरह मरीजों की जान से खिलवाड़ हो रहा है, इसका बड़ा उदाहरण सामने आया है। शहर के सबसे व्यस्त इलाके गांधीनगर के सुभाषनगर स्थित प्रतिष्ठित महावीर अस्पताल में पिछले 2 साल से एक फर्जी डॉक्टर आइसीयू में मरीजों का इलाज कर रहा था। उसके पास डॉक्टर की कोई डिग्री नहीं थी, वह दूसरे व्यक्ति की डिग्री में छेड़छाड़ करके नौकरी कर रहा था।

बिहार का रहने वाला था आरोपित–आरोपी का नाम नुरेन आलम 30 साल है। वह मूल रूप से बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के तुरकौलिया थाना क्षेत्र के गांव फततौला का रहने वाला है। करीब 2 साल पहले वह अंबिकापुर आया और साईं मंदिर के सामने स्थित महावीर अस्पताल में फिजियोथेरेपी सहायक के तौर पर काम पर लगा। धीरे-धीरे उसने खुद को डॉक्टर के रूप में पेश करना शुरू कर दिया और अस्पताल प्रबंधन ने उसे आईसीयू जैसी गंभीर जगह पर तैनात कर दिया, जहां गंभीर मरीज भर्ती होते हैं।

सीएमएचओ की टीम ने मारा छापा–16 अक्टूबर 2026 को जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को निजी अस्पतालों में फर्जी डॉक्टरों के काम करने की शिकायत मिली थी। इस पर मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी की टीम ने महावीर अस्पताल में औचक निरीक्षण



किया। टीम ने वहां मौजूद सभी डॉक्टरों, नर्सों और स्टाफ से उनकी शैक्षणिक योग्यता, डिग्री और मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र मांगे। जब नुरेन आलम की बारी आई तो उसने एक रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट दिखाया। अधिकारियों को दस्तावेज पर शक हुआ तो उन्होंने उसके ऊपर लगे क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन किया। स्कैन करते ही पूरा फर्जीवाड़ा सामने आ गया। क्यूआर कोड स्कैन करने पर जो जानकारी आई, वह किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर थी।

झारखंड के अभिज्ञान की डिग्री का किया इस्तेमाल–जांच में पता चला कि नुरेन आलम जिस सर्टिफिकेट को अपना बता रहा था, वह असल में झारखंड निवासी अभिज्ञान कुमार नाम के व्यक्ति का था। आरोपी ने बड़ी चालाकी से उस प्रमाण पत्र में फोटो बदलकर और कूटरचना कर अपना नाम जोड़ दिया था और उसी के आधार पर अस्पताल में डॉक्टर की नौकरी पा ली थी।

अस्पताल का लाइसेंस एक महीने के लिए निलंबित–मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने तुरंत कार्रवाई की। बिना योग्यता जांचे फर्जी व्यक्ति को डॉक्टर के पद पर रखने के आरोप में महावीर अस्पताल का लाइसेंस एक महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। अस्पताल प्रबंधन को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

एफआईआर के बाद से फरार आरोपित–मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की शिकायत पर गांधीनगर थाने में नुरेन आलम के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचना और फर्जी दस्तावेज बनाकर इस्तेमाल करने की धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई। केस दर्ज होते ही आरोपी अस्पताल और शहर से फरार हो गया। गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने अंबिकापुर कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन लगाया। 3 नवंबर 2026 को सप्तम अपर सत्र न्यायाधीश अंबिकापुर की कोर्ट में सुनवाई हुई। शासन की ओर से लोक अभियोजक प्रकाश मणि त्रिपाठी ने कोर्ट में मजबूती से पक्ष रखा और कहा कि आरोपी ने लोगों की जान से खिलवाड़ किया है, यह गंभीर अपराध है और इसे जमानत नहीं मिलनी चाहिए। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। अब पुलिस उसकी तलाश में बिहार तक दबिश दे रही है।

आपसी विवाद के बाद छेनी से मारकर अंगद को उतारा था मौत के घाट, दो गिरफ्तार

- हत्या के बाद शव को बाड़ी में फेंक दिया था, पुलिस ने हथियार बरामद किया



छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। लखनपुर थाना क्षेत्र के रजपुरीकला में हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया था, जिसमें लखनपुर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, 2 नवंबर को शाम 7.30 बजे मुकेश चौधरी और धर्मेन्द्र चौधरी का मृतक अंगद राम चौधरी से वाद-विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों आरोपियों ने आवेश में आकर छेनी से वार करके मृतक के सिर और शरीर पर गंभीर चोट पहुंचाई, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। आरोपियों ने शव को बाड़ीनुमा जगह पर फेंक दिया। सूचना पर थाना लखनपुर में धारा 103(1), 3(5) बीएनएस का मामला दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके आरोपियों मुकेश चौधरी पिता श्याम लाल चौधरी 23 वर्ष और धर्मेन्द्र चौधरी पिता स्व. चन्दर लाल चौधरी 26 वर्ष, दोनों निवासी ग्राम रजपुरीकला टिकरापारा को हिरासत में ले लिया था। पूछताछ में दोनों ने हत्या करना स्वीकार किया। इनके निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त छेनी जब्त किया गया है। दोनों को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी संपत पोटाई सहित पूरी टीम सक्रिय रही।





अवैध धान परिवहन व भंडारण पर जिला प्रशासन सख्त

अंतरराज्यीय सीमा पर संयुक्त टीमों की कार्रवाई में ट्रक-पिकअप सहित सैकड़ों क्विंटल धान जप्त

★ अवैध धान खपाने की कोशिश नाकाम, संयुक्त टीमों ने 406 क्विंटल धान व 780 बोरा किया जप्त

★ दूसरे राज्यों का धान खपाने वालों पर नकेल, राजस्व-खाद्य-पुलिस की संयुक्त टीम सक्रिय





बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से पहले जिला प्रशासन ने अवैध धान परिवहन, भंडारण और बिचौलियों पर कड़ी निगरानी शुरू कर दी है। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने बताया कि सीमावर्ती एवं आंतरिक चेक पोस्टों पर 24 घंटे निगरानी की जा रही है तथा दूसरे राज्यों का धान खरीदी केंद्रों में खपाने की कोशिशों को रोकने के लिए राजस्व, खाद्य, मंडी एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीमें सक्रिय हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि खरीदी व्यवस्था में अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वाड्रफनगर तहसील के धनवार चेक पोस्ट पर संयुक्त टीम ने उत्तर प्रदेश से लाए जा रहे एक ट्रक व चार पिकअप से लगभग 406 क्विंटल धान पकड़ा। वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर वाहनों को थाना बसंतपुर को सौंपकर मंडी अधिनियम, मोटर व्हीकल एक्ट एवं कस्टम मिलिंग उपार्जन आदेश 2016 के तहत कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। धनवार में ही खली व भूसे के नीचे छिपाकर लाई जा रही 17 बोरी धान से लदा पिकअप भी पकड़ा गया।

3 नवंबर को राजपुर अनुविभाग में संयुक्त टीम ने बिना वैध दस्तावेज परिवहन किए जा रहे 780 बोरा धान जप्त कर थाना राजपुर को सुपुर्द किया। इसी दिन तुगवा-बलंगी क्षेत्र में उत्तर प्रदेश से लाए जा रहे दो पिकअप से 128 बोरी धान जप्त कर बलंगी चौकी में रखा गया। ग्राम तल्केश्वरपुर के पास 63 बोरी धान से लदा पिकअप पकड़कर डिंडो चौकी को सौंपा गया।

इसके अलावा झारखंड से अवैध धान ला रहे एक पिकअप को रात्रि लगभग 1 बजे पकड़कर थाना रामचंद्रपुर तथा उत्तर प्रदेश से धान ला रहे एक अन्य पिकअप को थाना रघुनाथनगर के सुपुर्द किया गया। सभी प्रकरणों में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में रामानुजनगर के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2026 की जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले को गौरवान्वित किया है। सेजेस बिश्रामपुर में आयोजित प्रतियोगिता में विद्यालय की दो वैज्ञानिक परियोजनाओं का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। सीनियर एवं जूनियर दोनों वर्गों में विद्यार्थियों ने अपनी शोधपरक सोच और नवाचार से निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद रायपुर के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रतियोगिता का मुख्य विषय सतत विकास के लिए विज्ञान एवं नवाचार था। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा निर्धारित इस विषय के अंतर्गत विद्यार्थियों ने स्थानीय संसाधनों, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास से जुड़े मुद्दों पर अपनी वैज्ञानिक परियोजनाएं प्रस्तुत कीं। प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में कक्षा 12 वीं के शिवम ठाकुर एवं कक्षा 11 वीं के राकेश कुमार यादव की परियोजना विद्यालयों में पांच सूत्रीय पद्धति के माध्यम से सतत कागज प्रबंधन का चयन राज्य स्तर के लिए किया गया।

इसमें विद्यार्थियों ने कागज का कम उपयोग, पुनः उपयोग, पुनर्प्राप्ति, पुनर्रचना एवं पुनर्चक्रण के पांच सूत्रों के माध्यम से विद्यालयों में कागज की खपत कम करने और कागज अपशिष्ट का वैज्ञानिक प्रबंधन करने का व्यावहारिक मॉडल प्रस्तुत किया।

इसी तरह जूनियर वर्ग में कक्षा 9 वीं के अंशु सिंह एवं कृष्णा सिंह की परियोजना परंपरा से सतत जीवन की ओर, ग्रामीण समुदायों में पारंपरिक बांस संबंधी ज्ञान, उपयोग एवं आजीविका का वैज्ञानिक अध्ययन भी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुई। इस परियोजना में विद्यार्थियों ने ग्रामीण समुदायों के पारंपरिक बांस संबंधी ज्ञान, उसके विभिन्न उपयोगों, आजीविका में योगदान और सतत विकास की संभावनाओं का वैज्ञानिक अध्ययन प्रस्तुत किया। दोनों परियोजनाओं के मार्गदर्शक शिक्षक गोपाल सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का उद्देश्य बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जिज्ञासा और अनुसंधान की भावना विकसित करना है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को स्थानीय समस्याओं की पहचान कर उनके वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया जाता है।

पहाड़ी कोरवा बहुल पौड़ीखुर्द के स्कूली बच्चों को मिले स्वेटर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में प्राथमिक शाला किसानपारा पौड़ीखुर्द एवं माध्यमिक शाला पौड़ीखुर्द में बच्चों को स्वेटर वितरित किए गए। इस अवसर पर न्योता भोज का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत पौड़ीखुर्द विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा बहुल ग्राम है। यहां की पहाड़ी कोरवा बस्ती आमकोना के बच्चे इन्हीं विद्यालयों में अध्ययनरत हैं। ठंड के मौसम को ध्यान में रखते हुए विद्यालय के शिक्षकों ने सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से सभी बच्चों को स्वेटर उपलब्ध कराने की सराहनीय पहल की। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत पौड़ीखुर्द की सरपंच श्रीमती अंजेला भेंगरा, उपसरपंच तथा शाला प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

धान खरीदी की तैयारियों को लेकर एसडीएम ने ली अनुभाग स्तरीय बैठकें, उपार्जन नीति के दिशा-निर्देशों से कराया अवगत

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशानुसार समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के लिए जिले के सभी अनुविभागों में एसडीएम द्वारा समीक्षा बैठकें ली जा रही हैं। बैठकों में अनुभाग स्तरीय अधिकारियों के साथ खरीदी व्यवस्था की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में एसडीएम शंकरगढ़ की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में समिति प्रभारियों, खाद्य निरीक्षक, मंडी निरीक्षक, सहकारिता निरीक्षक एवं ऑपरेटरों को धान खरीदी वर्ष 2026 की आवश्यक तैयारियों तथा उपार्जन नीति 2026 के दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया।



अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि खरीदी प्रारंभ होने से पहले सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण कर ली जाएं, ताकि किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की असुविधा न हो और खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संचालित हो सके।

चिरायु की पहल से रामसाय की आंखों में लौटी रोशनी, मेकाहारा रायपुर में ट्रॉमेटिक मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के अंतर्गत जिले में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर गंभीर बीमारियों का निःशुल्क उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी कड़ी में विकासखंड वाड्रफनगर के हाई स्कूल कछिया में अध्ययनरत रामसाय की आंखों की रोशनी चिरायु टीम की तत्परता से लौट आई है। ट्रॉमेटिक मोतियाबिंद के कारण रामसाय को आंख से बिल्कुल दिखाई नहीं देता था। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र वाड्रफनगर की चिरायु टीम-बी ने स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान इस समस्या की पहचान की। टीम लीडर डॉ. धनंजय गुप्ता एवं सदस्यों ने तत्काल चिकित्सा प्रक्रिया आरंभ की, वहीं बीएमओ डॉ. हेमंत दीक्षित ने जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से उसे मेकाहारा रायपुर भेजा, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सफल ऑपरेशन किया। अब रामसाय को स्पष्ट दिखाई देने लगा है और वह पढ़ाई जारी रखने को लेकर उत्साहित है।

मैदान पर उतरी गांव-कस्बों की प्रतिभा, जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक का शुभारंभ





बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। ग्रामीण अंचलों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा आयोजित जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक खेल प्रतियोगिता 2026-27 का आज शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज, जनपद पंचायत अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा चेरवा, श्री ओमप्रकाश जायसवाल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अनिता मरकाम, श्रीमती अर्पणा दीक्षित, श्री भानू प्रकाश दीक्षित सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री अभिषेक गुप्ता एवं अधिकारी उपस्थित रहे। पहले ही दिन जूनियर एवं सीनियर वर्ग के बालक-बालिकाओं से लेकर महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने विभिन्न विधाओं में अपने कौशल, दमखम और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया।

आयोजन के प्रति जिले में उत्साह का अंदाजा पंजीयन के आंकड़ों से लगाया जा सकता है। विकासखंड स्तर पर कुल 91 हजार 995 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया, जिनमें 47 हजार 945 महिलाएं



और 44 हजार 50 पुरुष शामिल हैं। महिलाओं की भागीदारी पुरुषों से अधिक रहना ग्रामीण अंचलों में खेलों के प्रति बदलते नजरिए का संकेत है। सर्वाधिक 21 हजार 932 पंजीयन वाड्रफनगर विकासखंड से हुए, जबकि राजपुर से 19 हजार 943, रामचंद्रपुर से 16 हजार 71, बलरामपुर से 13 हजार 719, कुसमी से 10 हजार 250 तथा शंकरगढ़ से 10 हजार 80 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया। विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताओं में 8 हजार 837 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें 4 हजार 581 पुरुष एवं 4 हजार 256 महिलाएं रहीं। इनमें कुसमी से 1688, शंकरगढ़ से 1655, राजपुर से 1536, बलरामपुर से 1422, वाड्रफनगर से 1385 तथा रामचंद्रपुर से 1151 खिलाड़ी शामिल हुए।

प्रथम दिवस सेजेस हिंदी माध्यम विद्यालय खेल मैदान में सीनियर महिला वर्ग की रस्साकसी तथा एथलेटिक्स की 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर दौड़, रिले दौड़, गोला फेंक, भाला फेंक, तवा फेंक, ऊंची कूद और लंबी कूद स्पर्धाएं आयोजित हुईं, वहीं पुलिस लाइन स्थित इंडोर हॉल में वॉलीबॉल एवं बैडमिंटन के मुकाबले खेले गए। 04 नवंबर को फुटबॉल, तीरंदाजी, खो-खो, कराते, कुश्ती एवं बास्केटबॉल तथा 05 नवंबर को कबड्डी एवं हॉकी की प्रतियोगिताएं होंगी। मुकाबले सेजेस हिंदी माध्यम विद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र जाबर, मिशन स्कूल तथा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय भेलवाडीह के खेल मैदानों में आयोजित किए जाएंगे। आयोजन से जिले के प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलने के साथ पारंपरिक एवं आधुनिक खेलों के प्रति युवाओं में नया उत्साह देखने को मिल रहा है।

डीएवी पब्लिक स्कूल में विषयगत शैक्षणिक प्रदर्शनी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। डीएवी पब्लिक स्कूल विश्रामपुर में प्राचार्य श्रीमती अनामिका भारती के मार्गदर्शन में 4 नवंबर को विषयगत शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता, तार्किक चिंतन, नवाचार एवं व्यावहारिक ज्ञान को प्रोत्साहित करना रहा है।विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें अपने अर्जित ज्ञान को प्रयोगों, गतिविधियों एवं रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान करना है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में जिज्ञासा, खोजपरक प्रवृत्ति, समस्या समाधान की क्षमता, टीम भावना, आत्मविश्वास एवं प्रस्तुतीकरण कौशल का विकास होगा। आयोजन के मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह उपस्थित थे। अन्य अतिथियों में शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य आशीष भट्टाचार्य, क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी एसएस रात्रे, एसओ सिविल राबिन खलखो, क्षेत्रीय फाइनेंस मैनेजर मुकेश बैरवा उपस्थित रहे। अतिथियों का प्राचार्य श्रीमती अनामिका भारती एवं वरिष्ठ अध्यापकों द्वारा स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि महाप्रबंधक डॉ. संजय कुमार सिंह ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।प्रदर्शनी में जीव विज्ञान, भौतिकी विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी, वाणिज्य, कंप्यूटर साइंस, ए आई, ड्राइंग आदि विषयों से संबंधित आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक वर्किंग व स्टैटिक मॉडलों, चार्ट, परियोजना कार्य, नवाचारी गतिविधियां प्रदर्शित की गई। जिसमें विद्यालय के कक्षा तीसरी से बारहवीं के विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी पूरी लगन व कड़ी मेहनत से मॉडलों, प्रोजेक्ट, नवाचारी



गतिविधियां आदि को साकार रूप दिया। डीएवी के विद्यार्थियों के साथ-साथ विविध विद्यालयों क्रमशः शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्रामपुर, आत्मानंद स्कूल विश्रामपुर, राजकुमार पब्लिक स्कूल विश्रामपुर के विद्यार्थियों व अध्यापक-अध्यापिकाओं ने प्रदर्शनी को देखकर बच्चों के सार्थक प्रयासों एवं क्रियात्मकता की सराहना की। यह प्रदर्शनी सभी आगंतुकों के लिए ज्ञानवर्धक एवं आकर्षण का केंद्र रही। मुख्य अतिथि डॉ. संजय कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रकार का आयोजन विद्यार्थियों को विज्ञान के साथ-साथ विविध विषयों को समझने में सहायक सिद्ध होगी और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा मिलेगी। इससे प्रेरित होकर विद्यार्थी अपने जीवन को नई दिशा प्रदान कर पाएंगे। प्राचार्य श्रीमती अनामिका भारती जी ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ-साथ सृजनात्मकता, वैज्ञानिक सोच और जीवनोपयोगी कौशल विकसित करना है। ऐसी विषयगत प्रदर्शनियां विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा पहचानने, नए विचारों को साकार करने तथा आत्मविश्वास के साथ अपनी अभिव्यक्ति प्रस्तुत करने का सशक्त मंच प्रदान करती हैं।कार्यक्रम में मंच संचालन वरिष्ठ अध्यापिका श्रीमती अर्पणा मिश्रा ने किया। आयोजन को सफल बनाने में कार्यक्रम के समन्वयक एवं वरिष्ठ शिक्षक डीके तिवारी समेत छात्र-छात्राएं, अध्यापक-अध्यापिकाओं का सराहनीय योगदान रहा।

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, जिला पंचायत सामान्य सभा में विकास कार्यों की समीक्षा, समन्वय और जवाबदेही पर बल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हिरामुनी निकुंज की अध्यक्षता में आज जिला पंचायत सभाकक्ष में सामान्य सभा की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिले के विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन और बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर विस्तार से विचार-विमर्श करते हुए विभागवार समीक्षा की गई। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री धीरज सिंह देव, जनपद पंचायत अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा चेरवा सहित जिला पंचायत एवं जनपद सदस्य, जनप्रतिनिधिगण, जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। पशुपालन, मत्स्य पालन एवं उद्यानिकी विभाग की योजनाओं के वर्ष 2026-27 के लक्ष्य एवं प्रगति, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यों की अद्यतन स्थिति तथा खाद्य विभाग की योजनाओं एवं राशन वितरण व्यवस्था की क्रमवार समीक्षा की गई। अधिकारियों को हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय पर पहुंचाने और विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

अध्यक्ष श्रीमती हिरामुनी निकुंज ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से आपसी तालमेल के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सभी का पहला कर्तव्य है, जिसके लिए प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच सशक्त समन्वय आवश्यक है। उन्होंने प्रशासनिक जवाबदेही पर जोर देते हुए कहा कि ऐसी बैठकें नियमित रूप से हों, ताकि क्षेत्र की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। जिला पंचायत सदस्यों ने अपने क्षेत्रों में पेयजल, राशन वितरण एवं योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े विषय रखते हुए उनके शीघ्र निराकरण की मांग की। सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने सदस्यों द्वारा उठाए गए विषयों पर संबंधित विभागों को समय-सीमा में कार्रवाई कर अवगत कराने तथा लंबित कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अम्बिकापुर में विकास कार्यों का किया निरीक्षण, तेजी लाने के दिए निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। नगरीय क्षेत्र में विकास कार्यों की प्रगति एवं आमजनों की सुविधाओं का जायजा लेने कलेक्टर अजीत वसंत ने बुधवार को नगर के विभिन्न स्थलों एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चौपाटी, सुभाष नगर स्थित थोक सब्जी मंडी, महामाया कॉरिडोर, महामाया तालाब तथा कांजी हाउस का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने, स्वच्छता व्यवस्था बेहतर बनाने और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के



निर्देश दिए।

रिंग रोड की सफाई के लिए 50-50 का फार्मूला

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने रिंग रोड की समुचित साफ-सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक बजट तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कार्य में होने वाले व्यय की 50 प्रतिशत राशि नगर निगम द्वारा तथा शेष 50 प्रतिशत राशि डीएमएफ मद से वहन की जाएगी।

चौपाटी: सड़क पर पार्किंग पर होगी चालानी कार्रवाई

कलेक्टर ने चौपाटी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने शेष निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने तथा चौपाटी में आवश्यक सुविधाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से सड़क पर वाहन पार्क करने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करने कहा। साथ ही नालियों की नियमित साफ-सफाई के निर्देश दिए। उन्होंने निर्मित शौचालय के बेहतर रखरखाव एवं संचालन के लिए दुकानदारों से मासिक शुल्क लेकर महिला स्व-सहायता समूह के माध्यम से संचालन की व्यवस्था करने कहा।

सुभाष नगर में जल्द शिफ्ट होगी थोक सब्जी मंडी, 28 दुकानों का होगा आवंटन

कलेक्टर ने सुभाष नगर स्थित निमार्णाधीन थोक सब्जी मंडी का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति देखी। उन्होंने निर्मित 28 दुकानों का शीघ्र आवंटन करने तथा योजना के अनुसार अतिरिक्त 45 दुकानों का निर्माण जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कंपनी बाजार में संचालित थोक सब्जी मंडी को शीघ्र सुभाष नगर में स्थानांतरित करने पर जोर दिया। साथ ही मंडी परिसर में सड़क, स्वच्छ शौचालय सहित अन्य निर्माण कार्यों को मिशन मोड में शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

महामाया कॉरिडोर में प्रस्तावित कार्यों का स्थल निरीक्षण

इसके बाद कलेक्टर ने महामाया कॉरिडोर में भविष्य के लिए प्रस्तावित कार्यों का स्थल पर पहुंचकर लेआउट प्लान के अनुसार अवलोकन किया। उन्होंने प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण एवं डिवाइडर निर्माण कार्य, महामाया तालाब सौंदर्यीकरण में किए जाने वाले विकास कार्यों के संबंध में भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कांजी हाउस गौठान में 200 मवेशियों के लिए होगी व्यवस्था

कलेक्टर ने कांजी हाउस गौठान का निरीक्षण कर वहां मवेशियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि डीएमएफ मद से मवेशियों को रखने के लिए 2 अतिरिक्त शेड निर्माण की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने गौठान में कम से कम 200 मवेशियों को रखने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि शहर में मवेशियों के कारण होने वाली समस्याओं से निजात मिल सके। उन्होंने गौठान में रखे जाने वाले मवेशियों के स्टेरलाइजेशन के लिए पशुपालन विभाग से समन्वय कर आवश्यक कार्यवाही करने कहा। साथ ही मवेशियों के चारा, पानी एवं शेड की व्यवस्था की जानकारी ली तथा इनके लिए आवश्यक राशि सीएसआर मद से उपलब्ध कराने के संबंध में चर्चा की।

जिला स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस में छाए रामानुजनगर के छात्र, शिवम-राकेश और अंशु-कृष्णा की टीम ने मारी बाजी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2026 का जिला स्तरीय आयोजन 03 नवंबर को सेजेस विश्रामपुर में संपन्न हुआ। इसमें शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी दो वैज्ञानिक परियोजनाओं का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए करवाकर विद्यालय एवं क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। इस वर्ष का मुख्य विषय सतत विकास के लिए विज्ञान एवं नवाचार रखा गया था। सीनियर वर्ग में कक्षा 12वीं के शिवम ठाकुर एवं कक्षा 11वीं के राकेश कुमार यादव द्वारा प्रस्तुत



परियोजना ₹विद्यालयों में पाँच सूत्रीय पद्धति के माध्यम से सतत कागज प्रबंधन - कम उपयोग, पुनः उपयोग, पुनर्प्राप्ति, पुनर्रचना एवं पुनर्चक्रण₹ का चयन राज्य स्तर के लिए हुआ। इस परियोजना में विद्यार्थियों ने विद्यालयों में कागज की खपत कम करने, अनुपयोगी कागज का बेहतर उपयोग करने तथा कागज अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन की दिशा में प्रभावी प्रयास प्रस्तुत किए।

जूनियर वर्ग: बाँस पर वैज्ञानिक अध्ययन

जूनियर वर्ग में कक्षा 9वीं के अंशु सिंह एवं कृष्णा सिंह द्वारा प्रस्तुत परियोजना ₹परंपरा से सतत जीवन की ओर - ग्रामीण समुदायों में पारंपरिक बाँस संबंधी ज्ञान, उपयोग एवं आजीविका का वैज्ञानिक अध्ययन₹ ने भी निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया और राज्य स्तर के लिए चयनित हुई। इस परियोजना में ग्रामीण समुदायों के पारंपरिक बाँस संबंधी ज्ञान, उसके विविध उपयोगों, आजीविका में योगदान तथा सतत विकास की संभावनाओं का वैज्ञानिक अध्ययन किया गया

मार्गदर्शक शिक्षक ने दी बधाई

दोनों परियोजनाओं के मार्गदर्शक शिक्षक व्याख्याता गोपाल सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य बच्चों में वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा एवं अनुसंधान की भावना विकसित करना तथा स्थानीय समस्याओं के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक समाधान खोजने के लिए प्रेरित करना है।

ककोड़ा-विंग्डबीन पर प्रक्षेत्र दिवस, पोषणयुक्त फसलों से किसानों को मिलेगा अतिरिक्त आय का मौका

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, अंबिकापुर में 3 नवंबर को ककोड़ा एवं विंग्डबीन की खेती को प्रोत्साहित करने तथा किसानों को इन फसलों की उपयोगिता एवं महत्व से अवगत कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सह संचालक डॉ. के.एल. पैंकरा एवं परियोजना अधिकारी मिस किरण तिग्गा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

किसानों को दी गई वैज्ञानिक जानकारी

कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिक मिस किरण तिग्गा ने किसानों को ककोड़ा एवं विंग्डबीन की



उपयोगिता, खेती करने की विधि, बीज बोने का उचित समय, पौधों के विकास, सहारा देने की विधि एवं फसल प्रबंधन के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने दोनों फसलों के पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्व, खाद्य उपयोग तथा किसानों के लिए इनके आर्थिक लाभों के बारे में भी बताया। ककोड़ा को औषधीय गुणों से भरपूर और विंग्डबीन को प्रोटीन का अच्छा स्रोत बताया गया।

प्रक्षेत्र में कराया प्रत्यक्ष अवलोकन

किसानों को प्रक्षेत्र में लगी दोनों फसलों का प्रत्यक्ष अवलोकन कराया गया तथा उनके उत्पादन एवं रखरखाव से संबंधित व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। किसानों ने पौधों की बढ़वार, फल लगने की स्थिति और सहारा देने की तकनीक को नजदीक से देखा। अधिकारियों एवं कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि ककोड़ा एवं विंग्डबीन जैसी पोषणयुक्त फसलें किसानों के लिए अतिरिक्त आय का अच्छा माध्यम बन सकती हैं। इनके उत्पादन एवं उपयोग को बढ़ावा देकर कृषि विविधीकरण को भी प्रोत्साहित किया जा सकता है।

किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान

इस अवसर पर किसानों ने फसलों के संबंध में अपनी जिज्ञासाएं साझा कीं तथा विशेषज्ञों से बीज उपलब्धता, बाजार, रोग प्रबंधन और लागत को लेकर आवश्यक जानकारी एवं सुझाव प्राप्त किए।

संभाग स्तरीय करमा प्रतियोगिता का समापन, गुमगरा और लटमा दल ने संयुक्त रूप से मारी बाजी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। क्षेत्र के ग्राम पटना में आयोजित संभाग स्तरीय करमा प्रतियोगिता का समापन मंगलवार को हुआ। समापन समारोह में क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी मुख्य अतिथि रहे। इस प्रतियोगिता में कुल 40 करमा नर्तक दलों ने सहभागिता कर अपने कला नृत्य का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में लखनदास करमा दल गुमगरा व आदिवासी करमा दल लटमा ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया।वहीं गजराज करमा दल मोहनपुर व जय भोले करमा दल बोढार सोनहत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सती करमा दल गंगौटी, स्वर संगम करमा दल उरूमदुगा व देवपुत्र करमा दल देवधाम



खोपा ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दल को 15 हजार, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले दल को 11 हजार, तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले दल को 9 हजार रुपये नगद पुरस्कार दिया गया। साथ ही सभी करमा दलों को सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक भूलन सिंह ने कहा कि करमा हमारे सरगुजा के आदिवासी परंपरा का सांस्कृतिक लोक नृत्य है। इस पारंपरिक लोककला को बचाए रखने के लिए इस प्रकार की प्रतियोगिता का आयोजन आवश्यक है।

युवाओं ने लोकतंत्र और स्वच्छ राजनीति पर रखे विचार



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

ओड़गी। शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में 3 नवंबर को प्राचार्य रंजीत कुमार सातपुते के मार्गदर्शन में ह्यलोकतंत्र के लिए युवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में आज का लोकतंत्र कैसा होना चाहिए? विषय पर परिचर्चा हुई। विद्यार्थियों ने स्वच्छ राजनीति, भ्रष्टाचार, जनप्रतिनिधियों की शैक्षणिक योग्यता, आपराधिक छवि वाले नेताओं और राजनीतिक नैतिकता पर विचार रखे। प्राचार्य सातपुते ने कहा कि लोकतंत्र की असली ताकत जनता के हाथों में है। मतदाताओं को जाति, धर्म और प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना योग्य एवं ईमानदार प्रतिनिधि चुनना चाहिए। उन्होंने युवाओं को जागरूक मतदाता बनने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्राध्यापक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गिरदावरी में गड़बड़ी से किसान परेशान, सुधार के लिए तहसील कार्यालय में उमड़ी भीड़

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। तहसील कार्यालय में एक बार फिर किसानों की भीड़ उमड़ रही है। धान विक्रय हेतु शासन द्वारा कराई गई त्रुटिपूर्ण गिरदावरी के कारण किसान परेशान हैं और त्रुटियों को सुधरवाने के लिए तहसील कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं।

हर साल दोहराई जाती है गड़बड़ी

किसानों का कहना है कि जिला प्रशासन की गलत नीतियों के कारण हर साल गिरदावरी रिपोर्ट में गड़बड़ी सामने आती है, जिससे किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बार-बार गड़बड़ी होने के बावजूद प्रशासन इसके कारणों पर काम नहीं करना चाहता। आरोप है कि नॉन



टेक्निकल लोगों को गिरदावरी के कार्य में लगाया जाता है, जो ऑनलाइन एंट्री करते समय हर बार कुछ न कुछ गड़बड़ कर देते हैं। वहीं गिरदावरी रिपोर्ट का सत्यापन करने वाले पटवारी भी आंख मूंदकर सत्यापन कर देते हैं।

किसी का पूरा रकबा कटा, किसी के प्लाट गायब

तहसील कार्यालय का चक्कर लगा रहे किसानों ने बताया कि किसी का पूरा रकबा काट दिया गया तो किसी के दो प्लाट, जहां धान की फसल लगी है, उसके बावजूद काट दिए गए। ऐसे सैकड़ों किसान सुधार के लिए तहसील कार्यालय आने को मजबूर हैं। तहसील कार्यालय से जुड़े सूत्रों ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा प्रदेश में खुद को टॉपर साबित करने के चक्कर में जल्दबाजी में काम कराया जाता है। इस कारण काम करने वालों से हड़बड़ी में गड़बड़ी हो जाती है और बाद में तहसील कार्यालय की परेशानी बढ़ जाती है।

मन की भटकन को विराम देकर आत्मचिंतन की ओर बढ़ना ही योग साधना का लक्ष्य



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू से पधारे प्रसिद्ध आध्यात्मिक वक्ता और पीस ऑफ माइंड टीवी के एंकर बी.के. रूपेश भाई के सानिध्य में अंबिकापुर के नव विश्व भवन, चोपड़ापारा में दो दिवसीय गहन योग साधना शिविर का शुभारंभ मंगलवार को हुआ।

शिविर के शुभारंभ अवसर पर ब्रह्माकुमारीज अंबिकापुर की संचालिका राजयोगिनी बी.के. विद्या, आर्ट ऑफ लिविंग के प्रभारी अजय तिवारी, वरिष्ठ पार्षद रमेश जायसवाल और डीएसपी महालक्ष्मी ने पुष्पगुच्छ भेंटकर बी.के. रूपेश भाई का स्वागत किया।

युवा संवाद कार्यक्रम मे लोकतंत्र से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा तक के मुद्दों पर हुआ मंथन



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा युवाओं में राजनीतिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय विषयों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रामानुजनगर में महाविद्यालय एवं शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोकतांत्रिक व्यवस्था, युवाओं की राजनीतिक एवं सामाजिक भागीदारी, राष्ट्रीय सुरक्षा, भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप, एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण), केंद्र सरकार की योजनाओं एवं नए कानूनों सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

विदेशी हस्तक्षेप पर हुआ संवाद

भाजयुमो मंडल अध्यक्ष संजीव गुप्ता ने भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप, राष्ट्रीय संप्रभुता एवं देश की आंतरिक सुरक्षा पर विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि किसी भी संप्रभु राष्ट्र के आंतरिक निर्णयों, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं एवं नीतिगत मामलों में बाहरी हस्तक्षेप का प्रश्न राष्ट्रीय हितों से जुड़ा होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों और सोशल मीडिया पर प्रसारित सूचनाओं को तथ्यों और तार्किक दृष्टिकोण से समझें।

लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी

पूर्व जनपद सदस्य एवं उपसरपंच जयप्रकाश उपाध्याय ने कहा कि लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी भी इसकी महत्वपूर्ण आधारशिला है। युवाओं को राजनीति, सामाजिक कार्यों और स्थानीय विकास में अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

लोकतंत्र और भीड़तंत्र में अंतर

युवा मोर्चा जिला मंत्री एवं कार्यक्रम प्रभारी सहिम अंसारी ने लोकतंत्र और भीड़तंत्र के बीच अंतर समझाया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र संवैधानिक व्यवस्था, नियमों और संस्थाओं के सम्मान पर आधारित होता है, जबकि भीड़ के दबाव में लिए गए निर्णय लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं से बिना तथ्यों की पड़ताल किए निष्कर्ष पर न पहुंचने की अपील की। भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं, नए कानूनों, एसआईआर की प्रक्रिया तथा समसामयिक विषयों पर जानकारी दी।

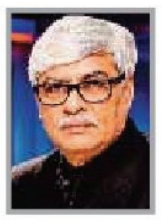
प्रश्नोत्तर सत्र रहा आकर्षण

कार्यक्रम का महत्वपूर्ण पक्ष विद्यार्थियों के साथ आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र रहा। इसमें छात्र-छात्राओं ने लोकतंत्र, योजनाओं, नए कानूनों, एसआईआर एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर सवाल पूछे, जिनका वक्ताओं ने जवाब दिया।इस अवसर पर प्राचार्य रामकुमार साहू, एनएसएस प्रभारी कन्हैयालाल, सहप्रभारी श्याम सिंह मरावी, सुनील गुप्ता एवं नितिन सिन्हा सहित शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

उत्सव और पर्यावरण में संतुलन रखना जरूरी

दीपावली रोशनी, उल्लास और खुशियों का पर्व है। यह अंधकार पर प्रकाश और निराशा पर आशा की जीत का प्रतीक है, लेकिन उत्सव की उमंग जब दूसरों की सांसों पर भारी पड़ने लगे तो आत्ममंथन जरूरी हो जाता है। पटाखों को लेकर सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला इसी संतुलन की आवश्यकता को रेखांकित करता है। अदालत ने दिल्ली-एनसीआर में 7 और 8 नवंबर को निर्धारित समय में केवल ग्रीन पटाखे जलाने की ही अनुमति दी है। अस्पतालों, वृद्धाश्रमों और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास नो-क्रैकर जोन बनाने के निर्देश भी दिए हैं। यह फैसला उत्सव पर रोक नहीं, बल्कि उसे जिम्मेदारी के दायरे में रखने का प्रयास है। सवाल है कि हर साल दीपावली पर पटाखों को लेकर अदालत को हस्तक्षेप क्यों करना पड़ता है? क्या त्योहार मनाने के लिए नागरिक जिम्मेदारी का भाव इतना कमजोर हो गया है कि न्यायिक आदेशों की जरूरत पड़ने लगी है? दिल्ली-एनसीआर पहले ही वायु प्रदूषण के गंभीर संकट से जूझ रहा है। वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण कार्यों की धूल और पराली का धुआं हवा की गुणवत्ता बिगाड़ते हैं। ऐसे में पटाखों का अतिरिक्त धुआं स्थिति को और भयावह बना सकता है। इसका सबसे अधिक खामियाजा बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से जूझ रहे लोगों को भुगतना पड़ता है। प्रदूषण किसी एक घर या मोहल्ले तक सीमित नहीं रहता, उसका असर पूरे समाज पर पड़ता है। स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर 2025 की रिपोर्ट के हवाले से अदालत में बताया गया कि भारत में वायु प्रदूषण के कारण 20.1 लाख से अधिक मौतें हुईं। यह आंकड़ा समाज को झकझोरने के लिए पर्याप्त है। धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान जरूरी है, लेकिन किसी की सेहत और जीवन की कीमत पर नहीं। इसलिए उत्सव और पर्यावरण में संतुलन रखना बेहद जरूरी है। ग्रीन पटाखे भी पूरी तरह प्रदूषण मुक्त नहीं होते। इसलिए इनके नाम पर असीमित आतिशबाजी की छूट नहीं होनी चाहिए। असली और नकली ग्रीन पटाखों की पहचान, प्रमाणित उत्पादों की बिक्री और नियमों का पालन सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। अदालत ने सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक ही पटाखे चलाने की अनुमति दी है। अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में रोक तथा शैक्षणिक संस्थानों को नो-क्रैकर जोन घोषित करने का निर्देश महत्वपूर्ण है। प्रशासन को इन क्षेत्रों की स्पष्ट पहचान करनी होगी और पुलिस व प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियों को निगरानी रखनी होगी। नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई भी जरूरी है। विराट कोहली जैसी लोकप्रिय हस्तियों से प्रदूषण रहित दीपावली की अपील करवाने का सुझाव भी सराहनीय है। खिलाड़ियों, कलाकारों, सामाजिक संगठनों और शिक्षण संस्थानों को जागरूकता अभियान से जोड़ना चाहिए। हालांकि प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई केवल दीपावली तक सीमित नहीं रह सकती। वाहनों, उद्योगों, निर्माण स्थलों और कचरा जलाने से होने वाले प्रदूषण पर सालभर प्रभावी नियंत्रण जरूरी है। दीपावली पर दीप जलाना हमारी परंपरा है और खुशियां मनाना हमारा अधिकार। मगर दूसरों की सांसों की सुरक्षा भी हमारी जिम्मेदारी है। पटाखों का शोर कुछ क्षणों का आनंद देता है, जबकि उसका धुआं लंबे समय तक परेशानी पैदा कर सकता है। इस बार संकल्प होना चाहिए कि घरों में दीपों की रोशनी बढ़े, लेकिन हवा में जहर नहीं।



सत्ता संघर्ष
ओमकार चौधरी

इजराइल के संसदीय चुनाव ने एक बार फिर देश को राजनीतिक अनिश्चितता के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन बहुमत के आंकड़े से दूर रह गई। दूसरी ओर, नेतन्याहू विरोधी दलों के पास संयुक्त रूप से 67 सीटें हैं, मगर वैचारिक मतभेदों के कारण वे भी सरकार बनाने की स्थिति में नहीं दिख रहे। इस चुनाव में अरब राजनीतिक दलों की सीटें 10 से बढ़कर 19 हो गई हैं, जिससे उनका महत्व बढ़ा है। सैन्य सेवा, न्यायिक सुधार, गाजा युद्ध और फलस्तीनी प्रश्न पर गहरे मतभेद गठबंधन की राह रोक रहे हैं। राष्ट्रपति की पहल के बाद ही स्पष्ट होगा कि नई सरकार बनेगी या इजराइल फिर चुनाव में जाएगा।

इजराइल में जनादेश का गतिरोध

इजराइल में राजनीतिक अस्थिरता का समाधान केवल चुनाव प्रणाली बदलने या किसी एक दल के अधिक सीटें जीतने से नहीं जुड़ा है। मूल चुनौती विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक समूहों के बीच ऐसी सहमति विकसित करने की है, जिससे सरकार अपना कार्यकाल पूरा कर सके। फिलहाल 27 अक्टूबर के जनादेश ने किसी को स्पष्ट सत्ता नहीं सौंपी है। राष्ट्रपति की पहल और दलों के बीच होने वाली बातचीत तय करेगी कि इजराइल को नई गठबंधन सरकार मिलती है या देश एक बार फिर चुनाव की ओर बढ़ता है। इजराइल में 27 अक्टूबर 2026 को हुए संसदीय चुनावों ने एक बार फिर राजनीतिक गतिरोध पैदा कर दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, लेकिन सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत उनके पास नहीं है। दूसरी ओर विपक्षी दलों की संयुक्त ताकत नेतन्याहू को सत्ता से बाहर रखने के लिए पर्याप्त है, लेकिन उनके बीच वैचारिक सहमति का अभाव है। इस चुनाव में अरब राजनीतिक दलों की ताकत लगभग दोगुनी होने से सत्ता का समीकरण और जटिल हो गया है। वे सरकार गठन में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन विपक्ष के कई प्रमुख नेता उनका समर्थन लेने के लिए तैयार नहीं हैं। इजराइल की 120 सदस्यीय संसद नेसेट में सरकार बनाने के लिए 61 सांसदों का समर्थन चाहिए। इस चुनाव में लिकुड को 27, पूर्व सेना प्रमुख गादी आइजनकोट की याशार पार्टी को 21 और पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट के ब'याखाद गठबंधन को 12 सीटें मिली हैं। अरब दलों की जॉइंट लिस्ट ने 11 और मंसूर अब्बास की राआम ने आठ सीटें जीती हैं। द डेमोक्रेट्स को आठ, अविग्दोर लिबरमैन की इस्राइल बेतेनु को सात, यूनाइटेड तोराह जूडाइज्म को सात, इतामार बेन-गवीर की ओत्जमा येहुदित को सात, शास को छह और रिलिजियस जायोनिज़्म–जेहुत गठबंधन को छह सीटें मिली हैं।

नेतन्याहू के दक्षिणपंथी और धार्मिक सहयोगियों के पास कुल 53 सीटें हैं। आइजनकोट और उनके संभावित सहयोगियों की संख्या 48 है, जबकि अरब नेतृत्व वाले दलों के पास 19 सीटें हैं। अर्थात नेतन्याहू के विरोध में 67 सांसद हैं, लेकिन उनमें से सभी एक साझा सरकार के लिए तैयार नहीं हैं। यही वर्तमान गतिरोध का मूल कारण है। किसी दल को संसद में प्रतिनिधित्व पाने के लिए कम से कम 3.25 प्रतिशत वोट प्राप्त करने होते हैं। इस व्यवस्था में धार्मिक, राष्ट्रवादी, उदारवादी, धर्मनिरपेक्ष और अरब समुदायों के छोटे दल भी संसद में पहुंचते हैं। इजराइल के इतिहास में किसी एक राजनीतिक दल को अपने बूते 61 सीटें नहीं मिली हैं। इसलिए गठबंधन सरकार वहां राजनीतिक अनिवार्यता है। कई बार पांच-सात सीटों वाला छोटा दल भी सरकार बनाने या गिराने की स्थिति में आ जाता है, लेकिन धार्मिक परंपराओं, राष्ट्रीय सुरक्षा, न्यायपालिका, सैन्य सेवा और फलस्तीनी प्रश्न पर दलों के बीच इतने गहरे मतभेद हैं कि गठबंधन स्थायी नहीं रह पाते। वर्ष 2019 से 2022 के बीच इजराइल में पांच संसदीय चुनाव हुए। जून 2021 में नफ्ताली बेनेट और याइर लापिद ने नेतन्याहू-विरोधी दलों को एकजुट करके सरकार बनाई। इसमें पहली बार



मंसूर अब्बास की राआम जैसी स्वतंत्र अरब पार्टी भी औपचारिक रूप से शामिल हुई। लेकिन वैचारिक मतभेदों के कारण यह सरकार लगभग एक वर्ष में गिर गई। उसके बाद नेतन्याहू फिर सत्ता में लौट आए। इस चुनाव का सबसे उल्लेखनीय घटनाक्रम अरब राजनीतिक दलों की सफलता है। वर्ष 2022 में इन्हें कुल दस सीटें मिली थीं, जबकि इस बार 19 सीटें मिली हैं। जॉइंट लिस्ट और राआम ने मिलकर लगभग आठ लाख चालीस हजार वोट प्राप्त किए, जो पिछले चुनाव से करीब 64 प्रतिशत अधिक हैं। इजराइल की आबादी में अरब नागरिकों की हिस्सेदारी लगभग पांचवां हिस्सा है। हालांकि सभी अरब दलों की राजनीति एक जैसी नहीं है। मंसूर अब्बास की राआम पहले भी यहूदी नेतृत्व वाली सरकार में शामिल हो चुकी है। जॉइंट लिस्ट के विभिन्न घटकों की इजराइल की राष्ट्रीय पहचान और फलस्तीनी प्रश्न पर अलग राजनीतिक स्थितियाँ हैं। इसलिए उनकी 19 सीटों को किसी एक गठबंधन का सुनिश्चित समर्थन मानना सही नहीं होगा। नेतन्याहू के लिए इस बार चुनावी परिणाम झटका हैं। वर्ष 2022 में उनकी लिकुड ने 32 सीटें जीती थीं। इस बार वह 27 पर सिमट गई। उनके सहयोगी गठबंधन की संख्या भी पिछली संसद में एक समय 68 तक पहुंचने के बाद अब 53 रह गई है। इसके कई कारण रहे। सबसे बड़ा मुद्दा 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किया गया हमला था, जिसने इजराइल की सुरक्षा और खुफिया व्यवस्था की गंभीर कमियां उजागर की थीं। अब सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है कि क्या पूर्व सेना प्रमुख गादी आइजनकोट और नेतन्याहू मिलकर राष्ट्रीय एकता सरकार बना सकते हैं? आइजनकोट ने चुनाव में नेतन्याहू को सत्ता से हटाने को प्रमुख उद्देश्य बनाया था। चुनाव के बाद भी उन्होंने स्पष्ट किया है कि वह नेतन्याहू के अधीन सरकार में शामिल नहीं होंगे। यहां तक कि बारी-बारी से प्रधानमंत्री बनने की व्यवस्था को भी उन्होंने स्वीकार नहीं किया है। नफ्ताली बेनेट और अविग्दोर लिबरमैन भी नेतन्याहू के साथ सरकार बनाने का विरोध कर चुके हैं। आइजनकोट ने संभावित सहयोगियों के लिए चार सिद्धांत निर्धारित किए हैं। पहला, इजराइल को यहूदी, लोकतांत्रिक, उदार और समानतापूर्ण राज्य के रूप में स्वीकार करना होगा। दूसरा, स्वतंत्रता की घोषणा में व्यक्त मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता आवश्यक होगी। तीसरा, सभी नागरिकों के लिए सैन्य, राष्ट्रीय अथवा नागरिक सेवा का दायित्व स्वीकार करना होगा। चौथा, हमास को आतंकवादी संगठन मानते हुए गाजा में उसकी सैन्य और शासन-संचालन क्षमता समाप्त करने के उद्देश्य का समर्थन करना होगा। गठबंधन के तीन प्रमुख विकल्प हैं। पहला, आइजनकोट 19 अरब सांसदों का समर्थन लेकर 67 की संख्या तक पहुंचें। इसके लिए बेनेट और लिबरमैन जैसे नेताओं को सहमत करना होगा। दूसरा, शास और यूनाइटेड तोराह जूडाइज्म के 13 सांसदों को साथ लेकर 61 का बहुमत बनाया जाए। लेकिन सैन्य भर्ती के प्रश्न पर समझौता आवश्यक होगा। तीसरा, नेतन्याहू और विपक्ष के कुछ दल राष्ट्रीय एकता सरकार बनाएं। इसके लिए प्रधानमंत्री पद, न्यायिक सुधार, सुरक्षा नीति और 7 अक्टूबर के हमले की जांच जैसे विषयों पर सहमति बनानी पड़ेगी। चुनाव परिणामों का औपचारिक प्रमाणन 4 नवंबर तक निर्धारित है। इसके बाद राष्ट्रपति दलों से परामर्श करके किसी सांसद को सरकार बनाने का अवसर देंगे। पहले उम्मीदवार को सामान्यतः 28 दिन मिलते हैं और आवश्यकता पड़ने पर 14 दिन का विस्तार संभव है। असफल होने पर दूसरे नेता को अवसर दिया जा सकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विडंबना



योगेश कुमार सोनी

वर्चस्व की लड़ाई में उलझते जा रहे वकील और पुलिस के पेशे

दिल्ली की कानून व्यवस्था में पुलिस और वकीलों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। पुलिस का दायित्व कानून का पालन कराना, अपराधों पर अंकुश लगाना और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, जबकि वकील न्याय व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करते हैं। दोनों पेशों का उद्देश्य अलग-अलग जिम्मेदारियों के माध्यम से एक ही लक्ष्य को हासिल करना है। कानून का शासन और जनता को न्याय, लेकिन जब इन दोनों पेशों के बीच आपसी सम्मान, संवाद और कार्यक्षेत्र की मर्यादा को लेकर विवाद खड़ा होने लगे, तब यह केवल दो पक्षों का टकराव नहीं रह जाता, बल्कि पूरी न्याय एवं कानून व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगते हैं। शाहदरा में एसीपी मनस्वी वशिष्ठ और शाहदरा थानाध्यक्ष के तबादले के बाद सामने आए घटनाक्रम ने इसी व्यापक बहस को जन्म दिया है। शाहदरा में पुलिस अधिकारियों के तबादलों के बाद एसीपी मनस्वी वशिष्ठ द्वारा मोर्चा खोले जाने के घटनाक्रम ने पुलिस और वकीलों के संबंधों को लेकर चर्चा तेज कर दी है। हालांकि, इस पूरे मामले में संबंधित पक्षों के आधिकारिक वक्तव्यों, विभागीय आदेशों और विवाद की परिस्थितियों की स्वतंत्र पुष्टि के बिना किसी व्यक्ति को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक अधिकारी और नागरिक को अपना पक्ष रखने का अधिकार है। साथ ही, किसी भी विवाद की वास्तविकता सामने लाने के लिए तथ्यों, साक्ष्यों और निष्पक्ष जांच को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यदि किसी अधिकारी को लगता है कि उसके साथ अन्याय हुआ है या किसी कार्रवाई में नियमों का पालन नहीं किया गया, तो उसके पास अपनी बात रखने के लिए विभागीय और कानूनी मंच उपलब्ध हैं। इसी प्रकार, यदि किसी वकील को पुलिस की किसी कार्रवाई से आपत्ति है, तो वह भी कानून के दायरे में रहकर शिकायत दर्ज करा सकता है। लेकिन जब किसी विवाद में व्यक्तिगत प्रतिष्ठा, पेशेवर पहचान या वर्चस्व का प्रश्न हावी होने लगता है, तो समाधान की संभावनाएं कमजोर पड़ने लगती है। पुलिस अधिकारी को कानून के अनुसार कार्रवाई करनी होती है। उसे शिकायतकर्ता, आरोपी, गवाह और अन्य संबंधित व्यक्तियों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना चाहिए। किसी व्यक्ति की सामाजिक हैसियत, पेशा या प्रभाव कानून से ऊपर नहीं हो सकता। यदि कोई वकील किसी मामले में पक्षकार है या किसी पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहा है, तो उसके पेशे के कारण उसे कानून से अलग कोई विशेष छूट नहीं मिलती। दूसरी ओर, वकील न्याय व्यवस्था के अभिन्न अंग हैं। उन्हें अपने मुवक्किलों के अधिकारों की रक्षा करने, कानूनी प्रक्रियाओं पर सवाल उठाने और किसी अनुचित कार्रवाई के खिलाफ आवाज उठाने का अधिकार है। लेकिन यह अधिकार भी कानून और पेशेवर आचरण की सीमाओं के भीतर ही प्रभावी होता है। पुलिस के काम में वैधानिक हस्तक्षेप और पुलिस की किसी कार्रवाई पर कानूनी आपत्ति जताना दो अलग-अलग बातें हैं। इसी प्रकार, पुलिस की वर्दी किसी अधिकारी को मनमानी करने का अधिकार नहीं देती। पुलिस और वकीलों के बीच मतभेद होना अस्वाभाविक नहीं है। कानून के अलग-अलग पक्षों की व्याख्या करते समय असहमति हो सकती है, लेकिन असहमति और टकराव में अंतर है। असहमति व्यवस्था को बेहतर बना सकती है, जबकि व्यक्तिगत संघर्ष व्यवस्था की ऊर्जा और संसाधनों को नष्ट करता है। कानून के सामने सभी समान हैं। न पुलिस का पद कानून से ऊपर है और न वकील का पेशा। दोनों को अपने अधिकारों का इस्तेमाल जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए। किसी भी पक्ष के साथ अन्याय होने पर निष्पक्ष जांच और कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से समाधान होना चाहिए। अंततः, सवाल यह नहीं है कि शाहदरा में किसका वर्चस्व स्थापित होगा, बल्कि यह है कि कानून, निष्पक्षता और जनता के विश्वास की जीत कैसे सुनिश्चित होगी। यदि पुलिस और वकील अपनी-अपनी पेशेवर मर्यादा को प्राथमिकता देते हुए संवाद और संवैधानिक प्रक्रिया का रास्ता अपनाते हैं, तो विवादों का समाधान संभव है। लेकिन यदि हर मतभेद प्रतिष्ठा की लड़ाई बनता रहा, तो नुकसान किसी एक अधिकारी, वकील या विभाग का नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का होगा जिससे आम नागरिक न्याय और सुरक्षा की उम्मीद करता है।लोकतंत्र में संस्थाओं की मजबूती किसी व्यक्ति के प्रभाव से नहीं, बल्कि उनके निष्पक्ष कामकाज से तय होती है। इसलिए समय की मांग है कि वर्चस्व की लड़ाई के बजाय कानून के सम्मान, जवाबदेही और संस्थागत समन्वय को प्राथमिकता दी जाए। यही पुलिस और वकील, दोनों के पेशे की गरिमा और जनता के विश्वास को बनाए रखने का सबसे प्रभावी रास्ता है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

चेतना का मूल आधार है अस्तित्व का ज्ञान



जब हम दर्शनशास्त्र का अध्ययन करते हैं, तो हमें यह ज्ञान होता है कि संपूर्ण विश्व एक है। आध्यात्मिक, भौतिक, मानसिक तथा प्राण-जगत भिन्न-भिन्न नहीं हैं। समस्त विश्व, यहां से वहां तक, एक है। बात इतनी ही है कि अलग-अलग दृष्टिकोण से देखे जाने के कारण वह विभिन्न प्रतीत होता है। 'मैं शरीर हूं, इस भावना से जब तुम अपनी ओर देखते हो तो यह



संकलित
दर्शन

भूल जाते हो कि मैं मन भी हूं'। और, जब तुम अपने को मनोरूप में देखने लगते हो, तो तुम्हें अपने शरीरत्व की विस्मृति हो जाती है। विद्यमान वस्तु केवल एक है और वह तुम हो। वह तुम्हें जड़ या शरीर के रूप में अथवा मन या आत्मा के रूप में दिख सकती है। जन्म, जीवन, मरण ये सब भ्रम मात्र हैं। न कोई कभी मरता है और ना कोई कभी जन्म लेता है। होता इतना ही है कि मनुष्य एक स्थिति से दूसरी स्थिति में चला जाता है। लोगों को मृत्यु से इतना भय पाते देख मुझे बहुत दुख होता है। वे मानो जीवन को पकड़ कर रखने की सतत चेष्टा करते रहते हैं। वे कहते हैं कि मृत्यु के बाद हमें जीवन दो। हमें मरणोत्तर जीवन दो। यदि कोई आए और उन्हें बताए कि मृत्यु के बाद भी वे विद्यमान रखेंगे, तो वे कितने आनंदित होते हैं? वस्तुतः मनुष्य के अमरत्व में मैं अविश्वास ही किस तरह कर सकता हूं? मैं मृत हूं, यह कल्पना ही मैं किस प्रकार कर सकता हूं? तुम यदि अपने को मृत सोचने की कोशिश करो तो देखोगे कि तुम अपने मृत शरीर को देखने के लिए वर्तमान हो ही। जीवन का अस्तित्व एक ऐसा आश्चर्यमय सत्य है कि तुम एक क्षण भी उसका विस्मरण नहीं कर सकते।

ब्राह्मण का सपना



एक नगर में कोई कंजूस ब्राह्मण रहता था। उसने भिक्षा से प्राप्त सत्तुओं में से थोड़े से खाकर शेष से एक घड़ा भर लिया था। उस घड़े को उसने रस्सी से बांधकर खूंटी पर लटका दिया और उसके नीचे पास ही खटिया डालकर उसपर लेटे-लेटे विचित्र सपने लेने लगा, और कल्पना के हवाई घोड़े दौड़ाने लगा। उसने सोचा कि जब देश में अकाल पड़ेगा



संकलित
प्रेरणा

तो इन सत्तुओं का मूल्य 100 रुपए हो जाएगा। उन सौ रुपयों से मैं दो बकरियां लूँगा। छः महीने में उन दो बकरियों से कई बकरियां बन जाएंगी। उन्हें बेचकर एक गाय लूंगा। गौओं के बाद भैंसे लूंगा और फिर घोड़े ले लूंगा। घोड़ों को महंगे दामों में बेचकर मेरे पास बहुत सा सोना हो जाएगा। सोना बेचकर मैं बहुत बड़ा घर बनाऊँगा। मेरी सम्पत्ति को देखकर कोई भी ब्राह्मण अपनी सुरुपवती कन्या का विवाह मुझसे कर देगा। वह मेरी पत्नी बनेगी। उससे जो पुत्र होगा उसका नाम मैं सोमशर्मा रखूंगा। जब वह घुटनों के बल चलना सीख जाएगा तो मैं पुस्तक लेकर घुड़शाला के पीछे की दीवार पर बैठा हुआ उसकी बाल-लीलाएं देखूंगा। उसके बाद सोमशर्मा मुझे देखकर मां की गोद से उतरेगा और मेरी ओर आएगा तो मैं उसकी मां को क्रोध से कहूँगा- 'अपने बच्चे को संभाल।' वह गृह-कार्य में व्यग्र होगी, इसलिए मेरा वचन न सुन सकेगी। तब मैं उठकर उसे पैर की ठोकर से मारुंगा। यह सोचते ही उसका पैर ठोकर मारने के लिए ऊपर उठा। वह ठोकर सत्तु-भरे घड़े को लगी। घड़ा चकनाचूर हो गया। कंजूस ब्राह्मण के स्वप्न भी साथ ही चकनाचूर हो गए।

अंतर्मन



आज की पाती

मानसिक स्वास्थ्य में एआई की भूमिका

आधारित चैटबॉट लोगों के लिए तेजी से संपर्क का पहला माध्यम बनते जा रहे हैं। अकेलापन, चिंता, तनाव, अवसाद, रिश्तों की उलझन या भावनात्मक संकट के क्षणों में कई लोग पहले किसी चिकित्सक के पास जाने के बजाय एआई से बातचीत करना पसंद कर रहे हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहां मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच अभी भी असमान है, एआई तकनीक एक नई संभावना प्रस्तुत करती है। हालांकि, यह समझना आवश्यक है कि एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने का माध्यम हो सकता है, उनका विकल्प नहीं। मानसिक स्वास्थ्य में एआई की भूमिका बढ़ने वाली है। - *प्रकाश शर्मा, गन्नौर*

ट्रेंड

टूलकिट बने राहुल



राहुल गांधी उन ताकतों की एक टूलकिट है, जिन्होंने नेपाल और अन्य पड़ोसी देशों में अशांति पैदा की। वह उन ताकतों का नेतृत्व कर रहे है, जो पूरे देश में अराजकता लाना चाहता है। उनके पास कोई विजन नही है। -**नितिन नवीन,** भाजपा अध्यक्ष

मोदीजी झूठ बोलना बंद करें



मोदीजी इस देश से झूठ बोलना बंद कीजिए आप विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने हुए है। मै आपको इस मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती देता हूं। कोई भी मंच किसी भी समय हिम्मत है तो सामने आइये।
-**राहुल गांधी,** नेता विपक्ष

'डबल इंजन' ने धोखा दिया



उत्तराखंड में भाजपा की डबल इंजन सरकार के प्रदेश की जनता की उम्मीदों और आकांक्षाओं को छलने का काम किया है। ध्वस्त कानून-व्यवस्था, महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल, सत्ता का अहंकार और जवाबदेही से लगातार पल्ला झाड़ने की प्रवृत्ति ने प्रदेश की जनता को निराश किया है। -**मल्लिकार्जुन खड़गे,** कांग्रेस अध्यक्ष

एक्सपोज हुई आप



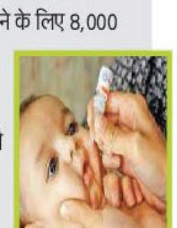
आम आदमी पार्टी जनता के सामने एक्सपोज हो चुकी है। पंजाब में भाजपा के पक्ष में एक अंडरकरंट है और आम आदमी पार्टी के खिलाफ बहुत मजबूत सत्ता विरोधी लहर (एंटी इनकंबेंसी) है। इसी वजह से आप के नेता भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर हमारी पार्टी से जुड़ रहे है।
-**सतीश पूनिया,** भाजपा के पंजाब प्रभारी



करंट अफेयर

पाक में पोलियो टीकाकरण के लिए 8 हजार पुलिसकर्मी तैनात

पाकिस्तान के कराची शहर में एक सप्ताह तक चलने वाले पोलियो रोधी अभियान के दौरान टीकाकरण दलों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए 8,000 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। दो से आठ नवंबर तक चलने वाला यह अभियान पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में भी शुरू किया गया है। इनमें बलूचिस्तान प्रांत भी शामिल है, जहां 31 जिलों में टीकाकरण दल कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच काम कर रहे हैं। यह घटनाक्रम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के खैबर जिले में पोलियो का एक नया मामला सामने आने की राष्ट्रीय पोलियो उन्मूलन आपातकालीन संचालन केंद्र द्वारा पुष्टि किए जाने के एक दिन बाद हुआ है। कराची के आयुक्त सैयद हसन नकवी ने कहा कि टीकाकरण दलों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है, क्योंकि पूर्व में टीकाकरण अभियानों के दौरान सुरक्षा संबंधी घटनाएं और हमले हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं तथा सुरक्षा मजबूत करने के लिए औचक जांच के साथ मोटरसाइकिल से गश्त भी बढ़ा दी गई है। पाकिस्तान में पोलियो रोधी टीकाकरण अभियान अक्सर हिंसा की घटनाओं से प्रभावित होते रहे हैं।



ऑफ बीट

मंगल के 4.1 अरब साल पुराने उल्कापिंड का रहस्य किया उजागर

नासा ने मंगल ग्रह पर 13 ऐसी जगहों का पता लगाया है, जहां से तेघाजा 001 उल्कापिंड आया हो सकता है। यह पत्थर माली के सहारा रेगिस्तान में 2022 में मिला था और यह करीब 4.1 अरब साल पुराना है। इसी वजह से यह पृथ्वी पर मिले मंगल के सबसे पुराने उल्कापिंडों में से एक है। वैज्ञानिकों ने मंगल ऑर्बिटर से मिले डाटा की मदद से इसके खनिजों का मिलान मंगल ग्रह के उन क्षेत्रों से किया है, जो ज्यादातर प्राचीन दक्षिणी उच्चभूमि (हाइलैंड्स) में आते हैं। मंगल की दक्षिणी उच्चभूमि सबसे पुरानी जमीनों में से एक है, जिसमें ग्रह के शुरुआती दिनों के अहम सुराग छिपे हैं। तेघाजा 001 में मिले अजीब ज्वालामुखी खनिज ये संकेत देते हैं कि यह मंगल के ऐसे हिस्से से आया है, जिसके नमूने हमने पहले कभी नहीं लिए हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि एक एस्ट्रोयड के टकराने से यह मंगल से उछलकर पृथ्वी तक अपनी लंबी यात्रा पर आया होगा। हालांकि, यह किस खास क्षेत्र से आया था, यह अभी भी एक रहस्य है, जिसे वे सुलझाने की उम्मीद कर रहे हैं।



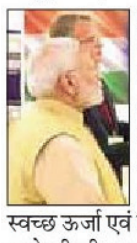
खबर संक्षेप

हरियाणा में बेरोजगारों को मिलेंगे 2000 रुपए



चंडीगढ़। हरियाणा सरकार की शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए बेरोजगारी भत्ता योजना के तहत आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। योजना के तहत 12वीं पास युवाओं को 1200 रुपएऔर स्नातक या इससे अधिक शैक्षणिक योग्यता रखने वाले युवाओं को 2000 रुपए प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। 30 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं।

'टीम यूरोप पवेलियन' पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत मंडपम में आयोजित 'भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एवं एक्सपो-2026' के दौरान 'टीम यूरोप पवेलियन' पहुंचे। यह सम्मेलन 2 से 5 नवंबर तक हो रहा। भारत-ईयू स्वच्छ ऊर्जा एवं जलवायु साझेदारी की सराहना की। स्वच्छ ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, स्मार्ट ग्रिड में सहयोग को मजबूत किया जा रहा है।

जयपुर में बड़ी कार्रवाई 35 हजार लीटर घी जब्त



जयपुर। यहां फूड सिक्योरिटी विभाग की टीम ने मिलावट के शक में करीब 35 हजार लीटर घी जब्त किया। टीम ने एक मैन्युफैक्चरिंग और पैकेजिंग फैक्ट्री को भी सील कर दिया। यह कार्रवाई राज्य सरकार के 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत की। खाद्य सुरक्षा टीम ने हिमालय डेयरी प्रोडक्ट्स की फैक्ट्री का निरीक्षण किया।

'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में लखनऊ में बोले चौहान

कर्जन, जिन्ना के बाद राहुल गांधी तीसरी बार भारत को बांटने की साजिश रच रहे हैं

विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर देश को विभाजित करने की साजिश रचने का आरोप लगाया

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने और देश को विभाजित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि देश को बांटने की पहली साजिश 1905 में लॉर्ड कर्जन ने की थी। दूसरी 1947 में मोहम्मद अली जिन्ना ने की थी।

■ वोट चोरी पर वार पलटवार

उन्होंने एसआईआर का बचाव करते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी दल अवैध प्रवासियों ,फर्जी मतदाताओं के हितों की रक्षा के लिए इस प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। चौहान ने यहां 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा से पहले एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की तथा कहा कि उनके नेतृत्व ने देश और राज्य में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाए हैं।

उन्होंने कहा कि मोदी जी और योगी जी ने उत्तर प्रदेश में सचमुच कुछ असाधारण एवं ऐतिहासिक किया है।



कांग्रेस ने कई राज्यों में वजूद खोया

चौहान ने कहा कि कांग्रेस ने कई राज्यों में अपना राजनीतिक असर खो दिया है, ऐसे में उसके साथ जुड़ने से उसके सहयोगी दलों को भी राजनीतिक नुकसान होगा। कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन लोकतंत्र को हिंसा और अव्यवस्था वाले तंत्र में बदलना चाहते हैं क्योंकि वे चुनावी राजनीति के जरिए भाजपा और राजग को हरा नहीं पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब वे लोगों के बीच हमें हरा नहीं पाए, तो उन्होंने दूसरे तरीके आजमाने शुरू कर दिए।

विदेशी ताकतें ऐसे अभियानों को बढ़ावा दे रही हैं

शिवराज ने आरोप लगाया कि आज, राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन देश को बांटने एवं इसे अराजकता की आग में धकेलने की तीसरी साजिश की कोशिश कर रहे हैं। चौहान ने दावा किया कि विदेशी ताकतें ऐसे अभियानों को बढ़ावा दे रही हैं। विदेशी ताकतों के सहारे राहुल देश से खिलवाड़ कर रहे हैं।

करोड़ों लोग अपने पते पर नहीं मिले

चौहान ने वोट चोरी के विपक्ष के आरोपों पर सवाल उठाते हुए कहा कि एसआईआर मरे हुए लोगों और अपने पंजीकृत पते से गए हुए मतदाताओं के नाम हटाने के लिए जरूरी था। उन्होंने कहा कि लगभग 3 करोड़ मतदाता अपने पंजीकृत पते पर नहीं मिले, जबकि 6.3 करोड़ अपनी पिछली जगहों से चले गए थे।

बरेली में नड्डा ने किया विपक्ष पर वार

चुनाव हारने पर विपक्ष ईवीएम को ठहरा रहा जिम्मेदार



बरेली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि वह लगातार निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाता है और चुनाव हारने के बाद अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ता है। नड्डा 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में शामिल होने के लिए मंगलवार को बरेली में थे। उन्होंने कहा कि विपक्ष का एकमात्र काम भ्रम फैलाना है। वह लगातार निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाता है और चुनाव हारने के बाद अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ता है।

अनुराग का राहुल पर पलटवार

वोट चोरी नहीं हुई, कांग्रेस को जनता ने वोट देना ही बंद कर दिया



चंडीगढ़। भाजपा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर वोट चोरी के मुद्दे पर देश में भ्रम फैलाने, संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वोट चोरी नहीं हुई, बल्कि जनता ने कांग्रेस को वोट देना बंद कर दिया है।कांग्रेस हार का ठीकरा कभी ईवीएम, चुनाव आयोग और कभी एसआईआर पर फोड़ रही है। राहुल के 13 करोड़ लोगों के वोट कटने के दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि इतने बड़े स्तर पर वोट काटे गए हैं तो कांग्रेस नाम और प्रमाण दे।

राहुल के विदेशी मदद वाले बयान पर बोले रिजिजू

दुश्मनों का एजेंडा आगे बढ़ा रहे



कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लगाए गए आरोपों के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। राहुल ने दावा किया कि मोदी विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने और इसी के सहारे पद पर बने हुए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को इस मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती भी दी। अब केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने राहुल पर भारत के दुश्मनों का एजेंडा आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि यह वैसा ही है, जैसे इस्लामी कट्टरपंथी धर्मनिरपेक्षता की बात करें, अलगाववादी भारतीय झंडा लेकर चलें और अराजकतावादी संविधान की किताब दिखाएं।

भाटिया ने किया विपक्ष पर बड़ा हमला

राहुल सत्ता के लिए देश को जला रहे, अराजक बना रहे

हिंसक प्रदर्शन भारतीयों के स्वभाव में नहीं



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर लोकतंत्र को कमजोर करने और देश में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया है। राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि राहुल गांधी ऐसे नेता बन गए हैं, जो लोकतंत्र का गला घोंटकर अराजकता लाना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राहुल की राजनीति हिंसक विरोध प्रदर्शनों को बढ़ावा देने वाली है। भाटिया ने कहा कि भारत और भारतीय अराजकता तथा हिंसक प्रदर्शनों को पसंद नहीं करते। देश के लोगों का संविधान में विश्वास है और वे अराजकता को कुचल देते हैं। भाटिया ने राहुल पर निशाना साधते हुए एक लोकप्रिय वेब सीरीज के किरदार का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि उस किरदार की तरह राहुल भी सत्ता के प्रति जुनूनी हैं। भाटिया ने कहा कि वह सत्ता पाने के लिए पूरा देश जलाने तक को तैयार है और राख का राजा बनकर भी शासन करना चाहता है।

'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च का किया जिक्र

भाटिया ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च में हिस्सा लिया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मार्च निकाला, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इन मार्चों का उद्देश्य देश में लोकतंत्र और सांविधानिक व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता जाहिर करना है। उन्होंने कहा कि हिंसक प्रदर्शन भारतीयों की प्रकृति और उनके मूल्यों का हिस्सा नहीं हैं।

यही चलता रहा तो लोग राहुल का विकल्प ढूंढ लेंगे: भाजपा ने एसआईआर और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ अभियान को लेकर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर हमला तेज करते हुए मंगलवार को कहा कि अगर राहुल गांधी सत्ता परिवर्तन के लिए अपने अराजकता के मॉडल को जारी रखते हैं, तो जनता विपक्ष में उनकी जगह कोई दूसरा विकल्प ढूंढ लेगी।

दम हो तो यह बोलकर दिखाएं नेहा

भाटिया ने चुनौती देते हुए कहा कि अगर दम है तो नेहा बोरा यह भी बोलकर दिखाएं कि मस्जिदों और मदरसों में मौलवी मुस्लिम बच्चियों के साथ दुराचार करते हैं। नेहा इस तरह की बात नहीं कहेंगी। इस तरह का चुनिंदा विरोध गलत मंशा से किया जा रहा है।

निर्वाचन को चुनौती पर चुनौती दी

याचिका की सुनवाई में प्रारंभिक मुद्दा तय करने से किया इनकार,अर्जी रद्द

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की नई याचिका खारिज कर दी। इसमें उन्होंने 2023 के विधानसभा चुनाव में पाटन सीट से अपने निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई के दौरान प्रारंभिक मुद्दा तय करने से इनकार करने के हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। शीर्ष अदालत ने 28 सितंबर को भी पूर्व मुख्यमंत्री की उस याचिका पर हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था, जिसमें उन्होंने भाजपा नेता विजय बघेल की ओर से उनके निर्वाचन को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका को लेकर हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने मंगलवार को चुनाव याचिका की सुनवाई में देरी करने के प्रयासों पर नाराजगी जताई। पीठ ने कहा कि चुनाव याचिकाओं का निपटारा उचित समयसीमा के भीतर होना चाहिए।



लद्दाख विश्वविद्यालय का छात्र संघ चुनाव

अभाविप ने 8 में से 5 सीट जीतीं नामग्याल अध्यक्ष, त्सेरिंग उपाध्यक्ष

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने लद्दाख विश्वविद्यालय के छात्र संघ चुनाव में 8 में से 5 सीट जीती हैं। अभाविप ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की छात्र शाखा अभाविप के अनुसार हाल में हुए इस चुनाव में दावा नामग्याल को अध्यक्ष, त्सेरिंग यांगडोल को उपाध्यक्ष, स्टैनजिन रिग्डोल को महासचिव, राब्सकिट डोलमा को संयुक्त सचिव और तेनजिन त्सेवांग को खेल सचिव चुना गया। परिषद की जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख इकाई के सचिव सन्नक श्रीवत्स ने कहा कि यह जीत छात्र कल्याण, शैक्षणिक विकास और रचनात्मक नेतृत्व के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता में विद्यार्थियों के भरोसे को दर्शाती है। ऐसी जीत हासिल करना पूरे अभाविप परिवार के लिए गर्व की बात है। यह जनादेश एक स्पष्ट संदेश देता है कि 'जेन जी' अभाविप के साथ है और जिम्मेदार छात्र नेतृत्व के इसके दृष्टिकोण में विश्वास रखता है।





कर्नाटक लोक सेवा आयोग में भर्ती घोटाला

आंसर-की लीक कर वसूली रिश्वत, वे 35 करोड़ से बनवा रहे थे ड्रीम प्रोजेक्ट

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) के गिरफ्तार चेयरमैन शिवशंकरप्पा साहूकार अपने गृहनगर में 35 करोड़ रुपए की लागत से एक बड़ा कॉम्प्लेक्स बनवा रहे थे। इस कॉम्प्लेक्स में स्कूल, हॉस्टल, खेल का मैदान, मॉल और कन्वेंशन हॉल बनाने की योजना थी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विशेष अदालत में जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान यह दावा किया। इस ड्रीम प्रोजेक्ट के लिए आर्किटेक्चरल डिजाइन भी तैयार कराए गए थे। यह कॉम्प्लेक्स कर्नाटक के यादगीर जिले के शाहपुर में साहूकार की पत्नी के नाम पर मौजूद जमीन पर बनाया जाना था। ईडी ने यह भी बताया कि जनवरी में हुई पशु चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती परीक्षा में कथित तौर पर लीक हुई आंसर-की के बदले रिश्वत देने वाले एक उम्मीदवार के पिता को प्रस्तावित स्कूल का केयरटेकर बनाने की योजना थी।





9 उम्मीदवारों को आंसर-की लीक करने का आरोप

शिवशंकरप्पा साहूकार और केपीएससी सदस्य बीवी गीता पर 9 उम्मीदवारों को 9 जनवरी को हुई पशु चिकित्सा अधिकारियों की परीक्षा की आंसर-की उपलब्ध कराने और इसके बदले 10 लाख से 40 लाख रुपए तक रिश्वत लेने का आरोप है। साहूकार ने तीसरी रैंक हासिल करने वाले उम्मीदवार के पिता से 20 लाख की कथित डील में से 10 लाख रुपये लिए थे, जबकि गीता ने पहली रैंक हासिल करने वाले उम्मीदवार से 40 लाख की डील के तहत 20 लाख प्राप्त किए थे।

माता रानी के मंदिर परिसर में विशाल जागरण का किया गया आयोजन

उन्नाव। असोहा बाजार स्थित आदि शक्ति पीठ मां डेहवा देवी मंदिर परिसर में आयोजित 11वें विशाल जागरण में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व विधायक उदयराज यादव व पूर्व ब्लाक प्रमुख बीतेंद्र यादव ने मां के दरबार मे आरती कर जगराते का शुभारंभ किया ।जगराते मे जीएस जागरण पार्टी के कलाकारों द्वारा गणेश वंदना के साथ जागरण की शुरूआत की गई ।जागरण में कानपुर से आई कलाकार सैफाली द्विवेदी ने मैया का चोला है रंगला गीत गाकर भक्तों को भाव विभोर कर दिया ।कलाकार मानसी द्विवेदी ने मां मुरादे पूरी कर दे व ज्ञानेंद्र शुक्ला ने एक के बाद एक गीत गाकर भक्तों को मंत्र मुग्ध कर दिया। जगराते मे विष्णु अवतार ,राधा कृष्ण,शिव आदि सुंदर झाकियां प्रस्तुत कर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया ।आयोजक अमित जायसवाल ने अतिथियों को अंग वस्त्र व चित्र भेंटकर स्वागत किया।

बेहाल किसान और परेशान जनता की पुकार भी नहीं सुन रहे बिजली विभाग के आला अधिकारी!

उन्नावं। बिजली विभाग के आला अधिकारियों की कथित लापरवाही का खामियाजा आज स्थानीय ग्रामीणों और किसानों को भुगतना पड़ रहा है। उन्नाव की 132 केवी हाईटेंशन विद्युत लाइन, जो सरोजनी नगर उपकेंद्र से कुंदन रोड होकर गुजरती है, स्थानीय लोगों के लिए गंभीर परेशानी और खतरे का कारण बनती जा रही है।

सूचना

मैं मनीष शर्मा, निवासी एम.जी. रोड, पंजाब गार्डन के सामने, पटपरिया, तहसील अंबिकापुर, जिला सरगुजा यह सूचित करता हूँ कि ग्राम कुशफर, तहसील रामानुजगंज, जिला बलरामपुर (छ.ग.) के खसरा क्रमांक 292 (भाग), 293 (भाग), रकबा 1.0 हेक्टेयर पर पत्थर उत्खनन हेतु उत्खनिपट्टा प्राप्त है। जिसके नियमित संचालन के लिये राज्य स्तर पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण छत्तीसगढ़ के File No. OL/EC/MIN/BALRAMPUR/4824, दिनांक 15/07/2026 के माध्यम से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। पर्यावरण स्वीकृति पत्र में दी गई नियम के अनुसार उक्त सूचना का प्रकाशन किया जा रहा है।

मनीष शर्मा,
जिला सरगुजा

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपना पुराना नाम मीता राठौर पिता / पति सुरेश सिंह ठाकुर अपना पुराना नाम बदलकर नया नाम मीता ठाकुर पिता / पति सुरेश सिंह ठाकुर निवासी / पता हाउस नंबर 159 /7 सानापारा 1 सुभाष नगर अंबिकापुर छत्तीसगढ़ रख लिया हूं अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम मीता ठाकुर पिता /पति सुरेश सिंह ठाकुर से जाना एवं पहचाना जाए

मीता ठाकुर पिता / पति सुरेश सिंह ठाकुर निवासी / पता हाउस नंबर 159 / 7 सानापारा 1 सुभाष नगर अंबिकापुर छत्तीसगढ़

प्ररूप-(एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मै बिरतिला कुजूर (Birtila Kujur) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी आनंद केरकेट्टा गांव/शहर..डांगवुडा तहसील.. मैनपाट

जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ ने अपना नाम बिरतिला कुजूर (पुराना नाम) से बदल कर बिरतिला केरकेट्टा (Birtila kerKetta)

(नया नाम) रख लिया है।

हस्ताक्षर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/अ-27/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नागेश मिश्र आ. स्व. कैलाश नाथ मिश्र, निवासी मिश्रा कॉलोनी, भट्ठी रोड, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 1928/4, 1929/4 रकबा क्रमशः 0.065, 0.057 हे. भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/2 भाग में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 09/12/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः-28/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०/ /अ-20(3)/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक रामबिलास सिंह आ. चन्द्रदीप सिंह जाति क्षत्रिय उम्र 67 वर्ष व अन्य 04 निवासी बौरीपारा, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व की शीट नम्बर-03 मोहल्ला-ठनगनपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 1723, 1724 रकबा 0.05, 0.03 एकड़ भूमि एवं मकान में से रकबा 0.04 एकड को अनावेदक/क्रेता अंकिता बारी पति महामाया प्रताप बारी, निवासी सत्तीपारा, ब्रम्हरोड़ अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 17.11.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 03.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका अखिलेश कुमार सोनी आ०/पति सुरेश प्रसाद सोनी जाति, निवासी स्कूल रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला देवीगंज रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1166/4, 1166/8 रकबा 0.01, 0.02 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-16.11.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः-02.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका संजय गुप्ता आ०/पति ताराचंद गुप्ता जाति निवासी सदर रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-न्यू महामाया रोड़, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2602/4 रकबा 0.05 3/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-11.11.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 26.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रेखा बंसल आ०/पति सतीश कुमार बंसल जाति निवासी प्रतापपुर रोड़, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-देवीगंज रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर वर्गमीटर भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो 1163/25 रकबा 44.98 वर्गमीटर भूमि गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-16.11.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः-02.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दीपक कुमार वासुले आ.स्व. रामकृष्ण वासुले, उम्र-46 वर्ष, निवासी दरीपारा, था०तह० अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा के द्वारा इस आशय का आवेदन पेश किया गया है, कि नगर अ०पुर मोहल्ला-दरीपारा स्थित नजूल भूमि खसरा नं0 3760/2, 3761 रकबा क्रमशः 0.01 1/2, 0.02 1/2 एकड़ भूमि के भूधारक रूकमणी देवी पत्नि स्व. रामकृष्ण वासुले के द्वारा वसीयतनामा दिनांक 02.04.2025 का निष्पादन आवेदक के पक्ष में किया गया है। वसीयतकर्ता रूकमणी देवी की मृत्यु दिनांक 28.09. 2026 को हो गई है। तपरांत आवेदक द्वारा उक्त वसीयतनामा के आधार पर आवेदित भूमि के नजूल अभिलेख से भूधारक रूकमणी देवी का नाम विलोपित करते हुये स्वयं के नाम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदक द्वारा वसीयतनामा दिनांक 02.04.2025 की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-23/11/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 04/11/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०/ /अ-20(3)/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक रामबिलास सिंह आ. चन्द्रदीप सिंह जाति क्षत्रिय उम्र 67 वर्ष व अन्य 04 निवासी बौरीपारा, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व की शीट नम्बर- 03 मोहल्ला-ठनगनपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 1723, 1724 रकबा 0.05, 0.03 एकड़ भूमि एवं मकान में से रकबा 0.04 एकड को अनावेदक/क्रेता सोनम बारी पति भानू प्रताप बारी, निवासी सत्तीपारा, ब्रम्हरोड़ अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 17.11.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 03.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

सरगुजा और बस्तर के युवाओं तक पहुंचेगी विश्वस्तरीय वैज्ञानिक शिक्षा, आईआईएससी के साथ 3 बड़ी परियोजनाओं पर चर्चा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ को सिर्फ खनिज और उद्योग से नहीं, बल्कि ज्ञान, विज्ञान, तकनीक और नवाचार से भी देश का अग्रणी राज्य बनाना सरकार का संकल्प है।मंगलवार को रायपुर स्थित निवास कार्यालय में मुख्यमंत्री ने भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु के निदेशक प्रो. जी. रंगराजन और वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। इसमें आईआईएससी और छत्तीसगढ़ शासन के बीच 3 महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर सहयोग पर विस्तृत चर्चा हुई।

तीन बड़ी परियोजनाएं

मटेरियल कैरेक्टराइजेशन एंड टेस्टिंग सेंटर

प्रदेश में विश्वस्तरीय टेस्टिंग फैसिलिटी बनाने का प्रस्ताव है। इससे खनिज, इस्पात, ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण उद्योगों को फायदा मिलेगा। यहां माइक्रोस्कोपी, नैनो



टेक्नोलॉजी, एआई आधारित विश्लेषण जैसी सुविधाएं होंगी। 600 शोधार्थियों के आवासीय प्रशिक्षण की क्षमता होगी, 3 साल में 1800 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य है।

आईआईएससी के मार्गदर्शन में 4 वर्षीय एकीकृत बीएससी-बीएड संस्थान बनाने का प्रस्ताव है। इसमें 14 आधुनिक लैब, 600 विद्यार्थियों की आवासीय क्षमता और 25 पूर्णकालिक शिक्षक होंगे। इसका सीधा लाभ सरकारी स्कूलों और ग्रामीण-जनजातीय अंचलों के बच्चों को मिलेगा।

चिकित्सा अनुसंधान और डिजिटल हेल्थ में सहयोग

आईआईएससी के मेडिकल स्कूल की विशेषज्ञता से किफायती जांच तकनीक, डिजिटल हेल्थ, एआई आधारित स्वास्थ्य सेवाएं और क्लिनिकल रिसर्च पर काम होगा। शुरूआत में हब एंड नेटवर्क मॉडल अपनाया जाएगा, जिसमें छत्तीसगढ़ के अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और विश्वविद्यालय जोड़े जाएंगे।

सरगुजा-बस्तर के युवाओं पर विशेष जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि आईआईएससी का लाभ सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। बस्तर, सरगुजा सहित दूरस्थ अंचलों के युवाओं को भी आधुनिक लैब, इंटर्नशिप, सेमीकंडक्टर, एआई, बायोटेक्नोलॉजी में प्रशिक्षण मिलना चाहिए। बैठक में बस्तर और सुकमा में बिजली के बिना चलने वाले हाइड्रोलिक रैम पंप, जल संरक्षण और भूजल संवर्धन की तकनीकों पर भी चर्चा हुई। कर्नाटक के कोलार में 440 एमएलडी शोधित जल को 137 जलाशयों तक पहुंचाने वाली परियोजना का उदाहरण भी दिया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सभी प्रस्तावों की व्यवहार्यता जांचकर ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

बीएसपी को हाईकोर्ट से बड़ी जीत, 10 याचिकाएं खारिज, सील तोड़कर कब्जा करने वालों से होगी 69 करोड़ की वसूली

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र की जमीन पर कब्जे और बकाया वसूली से जुड़े मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने संयंत्र के पक्ष में फैसला सुनाया है। जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की अदालत ने बीएसपी के खिलाफ दायर सभी 10 रिट याचिकाएं खारिज कर दीं। इस फैसले के बाद संबंधित फर्मों से करीब 69 करोड़ रुपये की वसूली और बीएसपी की जमीन वापस लेने की कार्रवाई का रास्ता खुल गया है।

इन 10 मामलों में याचिकाएं खारिज

डब्ल्यूपीसी/3667/2022-डीपी बंसल कमर्शियल प्राइवेट



लिमिटेड

डब्ल्यूपीसी/3673/2022-एमएस लक्ष्मी चंद्र अग्रवाल

डब्ल्यूपीसी/3691/2022-दुर्गा धर्म कांटा

कांट/512/2022-एमएस आई.ए. दास (अवमानना याचिका)

डब्ल्यूपीसी/13976/2022-एमएस बंसल ब्रदर्स

डब्ल्यूपीसी/14555/2022-एमएस रफीक / मो. अशरफ / मशकूर

डब्ल्यूपीसी/4582/2022-एमएस मशकूर अहमद

डब्ल्यूपीसी/1882/2023-एमएस मदनलाल

डब्ल्यूपीसी/1769/2022-एमएस आई.ए. दास एस्टाब्लिशमेंट

डब्ल्यूपीसी/3644/2022-एमएस महालक्ष्मी ट्रेडर्स

37 करोड़ राजस्व और 32 करोड़ की जमीन का मामला

बीएसपी के अनुसार, संबंधित पक्षों से करीब 37 करोड़ रुपये राजस्व की वसूली की जानी है। इसके अलावा 2022 में नगर और राज्य सरकार की दरों के आधार पर जमीन की कीमत लगभग 32 करोड़ रुपये आंकी गई थी। इस तरह कुल देय राशि करीब 69 करोड़ रुपये है।

सील किए प्रतिष्ठानों के ताले तोड़कर दोबारा कब्जे का आरोप

इन फर्मों को अप्रैल और अगस्त 2022 में तत्कालीन महाप्रबंधक (एनफोर्समेंट) के.के. यादव के नेतृत्व में संपदा न्यायालय के आदेश पर सील किया गया था। कार्रवाई कार्यपालक मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की मौजूदगी में हुई थी। बीएसपी का आरोप है कि सील होने के बाद संचालकों ने ताले तोड़कर दोबारा कब्जा कर लिया था। इसके बाद 2022 में हाईकोर्ट से स्थगन आदेश मिलने के कारण वसूली और जमीन खाली कराने की कार्रवाई लंबित हो गई थी। इन मामलों में बीएसपी की ओर से छत्तीसगढ़ के उप महाधिवक्ता सौरभ कुमार पांडेय ने पैरवी की।

एसीबी ने 20 हजार की रिश्वत लेते प्रधान आरक्षक को किया गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

राजनांदगांव। जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है। बसंतपुर थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक किशोर यादव को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए एसीबी की टीम ने रंगे हाथों पकड़ा है। बुधवार को हुई इस कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया।

5 लाख मांगने का था आरोप

मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता गौरव अग्रवाल ने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी कि रुपये के लेनदेन से जुड़े एक मामले में प्रधान आरक्षक ने उनसे 5 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी।शिकायत को गंभीरता से लेते



हुए एसीबी ने पहले आरोपों का सत्यापन किया, फिर ट्रैप की योजना बनाई।

ऐसे पकड़ा गया

बुधवार को एसीबी की टीम ने शिकायतकर्ता गौरव अग्रवाल को 20 हजार रुपये देकर बसंतपुर थाने भेजा। टीम पहले से ही निर्धारित स्थान पर निगरानी में मौजूद थी। जैसे ही गौरव ने प्रधान आरक्षक किशोर यादव को 20 हजार रुपये दिए, टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे पकड़ लिया। कार्रवाई के बाद बसंतपुर थाने में हलचल मच गई। पुलिस विभाग में यह मामला चर्चा का विषय बन गया है। फिलहाल एसीबी की टीम पूरे मामले की जांच कर रही है। अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि प्रधान आरक्षक के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की किन धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। विभागीय स्तर पर अनुशासनात्मक कार्रवाई को लेकर भी जानकारी सामने नहीं आई है।

छत्तीसगढ़ को फिल्म हब बनाने की तैयारी, चित्रोत्पला फिल्म सिटी और नई फिल्म नीति पर सरकार का फोकस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख फिल्म शूटिंग डेस्टिनेशन बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने पहल तेज कर दी है। प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन स्थलों को फिल्म निमार्ताओं के सामने प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की रणनीति तैयार की जा रही है।इसी सिलसिले में मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक हुई। इसमें फिल्म शूटिंग को आकर्षक बनाने, मौजूदा फिल्म नीति को अधिक व्यावहारिक बनाने और फिल्म



निर्माण की प्रक्रियाओं को सरल व पारदर्शी करने पर चर्चा हुई।

अनछुए लोकेशन को मिलेगी पहचान

मुख्य सचिव विकासशील ने कहा कि छत्तीसगढ़ में फिल्मांकन के लिहाज से प्राकृतिक और सिनेमैटिक दृश्यों की व्यापक संभावनाएं हैं। प्रदेश के अनछुए प्राकृतिक स्थलों, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन केंद्रों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की जरूरत है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेशभर में फिल्म शूटिंग के लिए उपयुक्त नए स्थानों की पहचान कर उन्हें विकसित और प्रोत्साहित किया जाए।

चित्रोत्पला फिल्म सिटी पर चर्चा

बैठक में बहुप्रतीक्षित चित्रोत्पला फिल्म सिटी के प्रस्ताव और उसकी संभावनाओं पर भी विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। सरकार का प्रयास है कि फिल्म निमार्ताओं और प्रोडक्शन हाउस को छत्तीसगढ़ में शूटिंग के लिए बेहतर सुविधाएं मिलें, ताकि अधिक से अधिक निमार्ता प्रदेश की ओर आकर्षित हों। मुख्य सचिव ने कहा कि फिल्म निर्माण के विस्तार से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही स्थानीय कलाकारों, तकनीशियनों, युवाओं और होटल उद्योग के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

दीवाली से पहले बजी महिलाओं के मोबाइल में खुशी की घंटी, महतारी वंदन की 33वीं किस्त जारी



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की माताओं-बहनों को दीवाली से पहले बड़ी सौगात मिली है। राज्योत्सव के समापन समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में महतारी वंदन योजना की 33वीं किस्त जारी की। इस किस्त में प्रदेश की 67 लाख 40 हजार 410 पात्र महिलाओं के खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से कुल 632 करोड़ 63 लाख 67 हजार 750 रुपये अंतरित किए गए।

67 लाख 33 हजार महिलाओं को मिला लाभई

केवाईसी पूर्ण करा चुकीं 67 लाख 33 हजार 502 महिला हितग्राहियों को लाभ मिला। इसके साथ ही नियद नेल्ला नार कैंप क्षेत्रों की 6,908 महिलाओं को भी 33वीं किस्त दी गई।योजना के तहत पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। इसका उद्देश्य महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत करना और परिवार की जरूरतों में उनकी भागीदारी बढ़ाना है।

अब तक 21,350 करोड़ से ज्यादा जारी

ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में 10 मार्च 2024 को महतारी वंदन योजना शुरू हुई थी। अब तक 33 किस्तों में पात्र महिलाओं के खातों में 21 हजार 350.50 करोड़ रुपये अंतरित किए जा चुके हैं।इस राशि से महिलाएं न केवल परिवार की दैनिक जरूरतें पूरी कर रही हैं, बल्कि त्योहारों को भी धूमधाम से मना रही हैं। करवाचौथ से शुरू हुआ खरीदारी का दौर अब दीवाली तक जारी है, जिससे बाजारों में भी रौनक बढ़ी है और परिवार के मुखिया पर आर्थिक बोझ कम हुआ है।

राज्योत्सव में वन विभाग की प्रदर्शनी को प्रथम पुरस्कार, 'बदलता बस्तर-संवरता छत्तीसगढ़' थीम बनी आकर्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्थापना की 26वीं वर्षगांठ पर नवा रायपुर में आयोजित राज्योत्सव 2026 में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की प्रदर्शनी को विभागीय श्रेणी में प्रथम पुरस्कार मिला है। समापन एवं राज्य अलंकरण समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने यह सम्मान प्रदान किया।विभाग की ओर से अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ और पीसीसीएफ अरुण कुमार पांडेय ने पुरस्कार ग्रहण किया। वन मंत्री केदार कश्यप ने अधिकारियों-कर्मचारियों और वन धन केंद्रों को बधाई दी।

बदलता बस्तर बना प्रमुख आकर्षण

'बदलता बस्तर-संवरता छत्तीसगढ़' थीम पर बनी प्रदर्शनी में



प्रवेश द्वार पर जगदलपुर की जनजातीय गौरव वाटिका, बीजापुर के इंद्रावती टाइगर रिजर्व के चेंदरू गेट और दंतेवाड़ा के वन मंदिर के प्रतिरूप बनाए गए थे। सबसे ज्यादा आकर्षण सुकमा के तुंगल डैम स्थित 'तुंगल कैफे' का रहा। यहां मुख्यधारा में लौटी पूर्व महिला नक्सली कैफे चला रही हैं, वहीं स्थानीय युवा नौकायन और कयाकिंग से आजीविका कमा रहे हैं। इसके साथ ही धुड़मारास गांव के होमस्टे, कोंडागांव की पुष्पाल घाटी के इको-कॉटेज, तीरथगढ़ जलप्रपात और मट्टीमरका के मॉडल भी दिखाए गए। धुड़मारास का चयन यूएन टूरिज्म के 'बेस्ट टूरिज्म विलेज अपग्रेड प्रोग्राम' में हुआ है। प्रदर्शनी में बताया गया कि बस्तर में 572 देवगुड़ियों का जीर्णोद्धार, मनरेगा से 21.67 लाख मानव दिवस रोजगार और कांगेर वैली में 35 सफारी जिप्सियों से 200 युवाओं को रोजगार मिला है।

वन्यजीव संरक्षण और डिजिटल नवाचार

'संवरता छत्तीसगढ़' खंड में बिलासपुर के कोपरा जलाशय को दिसंबर 2025 में मिले प्रदेश के पहले रामसर स्थल का दर्जा, बारनवापारा में दशकों बाद काले हिरणों की रिलोकेशन और औरापानी में गिद्ध संरक्षण को दिखाया गया। मानव-हाथी द्वंद्व के लिए 'गजरथ यात्रा' और 'गज संकेत' ऐप का प्रदर्शन हुआ। यह ऐप हाथियों की मूवमेंट की जानकारी वॉयस कॉल, एसएमएस और व्हाट्सऐप से ग्रामीणों तक पहुंचाता है। एक पेड़ मां के नाम में 2024 में 3.50 करोड़ और 2025 में 3.55 करोड़ पौधे लगाने की जानकारी दी गई। किसान वृक्ष मित्र योजना में 36,896 किसानों ने 62,441 एकड़ में 3.67 करोड़ पौधे लगाए। क्यूआर कोड क्विज, 360 डिग्री वीआर, लाइट एंड साउंड और सेल्फी प्वाइंट युवाओं के आकर्षण का केंद्र रहे। बांस के घर, नाव, वन मधु, सफेद मूसली, त्रिफला चूर्ण जैसे वन धन उत्पादों की बिक्री भी हुई।

स्वास्थ्य मंत्री ने पीएचसी क्षीरपानी के लिए दी 25 लाख रुपये की स्वीकृति



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल आज कबीरधाम जिले के पंडरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम क्षीरपानी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम क्षीरपानी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए मुख्यमंत्री उन्नयन कोष से 25 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की। स्वीकृत राशि से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र क्षीरपानी में बाउंड्रीवॉल निर्माण एवं आवश्यक मरम्मत कार्य कराए जाएंगे। इससे स्वास्थ्य केंद्र की आधारभूत सुविधाओं में सुधार होगा तथा परिसर की सुरक्षा और व्यवस्था बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में बेहतर एवं सुलभ उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक अधोसंरचना और सुविधाओं का विकास होने से ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी तथा उन्हें उपचार के लिए दूरस्थ स्थानों पर जाने की आवश्यकता कम होगी।

ग्रामीण बच्चों की शिक्षा को नई उड़ान देगा आजाद वेलफेयर का निःशुल्क कोचिंग सेंटर

ग्राम पोड़ी में सेंटर का हुआ शुभारंभ, कक्षा 8वीं तक के बच्चों को मिलेगी निःशुल्क शिक्षा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से आजाद वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा ग्राम पंचायत पोड़ी, भटगांव में निःशुल्क कोचिंग सेंटर का शुभारंभ किया गया। इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है, ताकि आर्थिक परिस्थितियां किसी भी बच्चे की पढ़ाई में बाधा न बनें। कोचिंग सेंटर में कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों को सभी विषयों की निःशुल्क पढ़ाई, नियमित कक्षाएं एवं शिक्षकों के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

शुभारंभ के अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों, स्थानीय नागरिकों, अभिभावकों एवं बच्चों की उपस्थिति रही। संस्था की इस पहल को ग्रामीण शिक्षा के क्षेत्र में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। इस अवसर पर संस्था की ओर से कहा गया कि हमारा प्रयास है कि गांव का कोई भी बच्चा आर्थिक अभाव के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। बच्चों को पढ़ने का अवसर मिले, उनमें आत्मविश्वास बढ़े और वे भविष्य में अपने परिवार, गांव और देश का नाम रोशन करें। संस्था ने क्षेत्र के अभिभावकों एवं जागरूक नागरिकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से कोचिंग सेंटर भेजें तथा इस शैक्षणिक पहल को सफल बनाने में सहयोग करें।

जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मामले में नहीं किया जाएगा कोई समझौता : रेना जमील

शिक्षा गुणवत्ता में सुधार और नवाचारों को बढ़ावा देने लाइवलीहुड में हुई कार्यशाला



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा शैक्षणिक नवाचारों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने के उद्देश्य से यहां के लाइवलीहुड कॉलेज में जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला मिशन संचालक समग्र शिक्षा एवं कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यशाला में जिले के समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं संकुल समन्वयक को दो पालियों में प्रशिक्षण दिया गया।कार्यशाला को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि विद्यालयों की बेहतर मॉनिटरिंग और गुणवत्तापूर्ण अध्यापन सुनिश्चित करने के लिए शिक्षक एवं संकुल समन्वयक पूरी ऊर्जा, जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। विद्यालयों में बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ाने के लिए पालकों एवं स्थानीय जनसमुदाय को शिक्षा से जोड़ना आवश्यक है। बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने, गतिविधि आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने तथा बेहतर शैक्षणिक परिणाम प्राप्त करने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मामले में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। कलेक्टर ने जिले में आयोजित विज्ञान आधारित हैंड्स ऑन एक्टिविटी का उल्लेख करते हुए बताया कि जिले के 155 हाई एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों के लगभग 900 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने विज्ञान के प्रयोगों पर आधारित गतिविधियों में सहभागिता की। उन्होंने कहा कि बच्चों को करके सीखने के अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है, ताकि उनमें वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा एवं नवाचार की भावना विकसित हो। कार्यशाला में लोक शिक्षण संचालनालय एवं समग्र शिक्षा राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा प्रारंभ किया गया लइका चिन्हारी ऐप के माध्यम से ड्रॉपआउट एवं आउट ऑफ स्कूल बच्चों की पहचान कर उन्हें पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की प्रक्रिया समझाई गई। प्रशिक्षण में बताया गया कि बच्चों के चिन्हांकन पर, विद्यालय में तीन माह तक उपस्थिति सुनिश्चित कराने तथा परीक्षा में सम्मिलित कराने पर मानदेय निर्धारित प्रावधानों के अनुसार स्वयंसेवकों एवं शिक्षकों को देय होगा। कार्यशाला में सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिया गया।

जिला प्रशासन की पहल एवं समग्र शिक्षा के सहयोग से संचालित जिले के अभिनव शैक्षणिक कार्यक्रम 'शब्दबीज' के प्रभावी क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इस नवाचार के अंतर्गत जिले की 1163 प्राथमिक शालाओं के लगभग 49 हजार विद्यार्थी प्रतिदिन मात्र 10 मिनट में हिंदी एवं अंग्रेजी का एक-एक नया शब्द शुद्ध उच्चारण, अर्थ एवं सहायक शैक्षणिक सामग्री के माध्यम से सीख रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान शब्दों के शुद्ध उच्चारण में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने के लिए डिजिटल वॉइस आधारित एचटीएमएल क्रोम फाइल का प्रदर्शन किया गया।

10 बिंदुओं पर होगी स्कूलों की गुणवत्ता की जांच

जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता एवं विद्यालयों के समग्र विकास के लिए संचालित 'सूर्योदय सूरजपुर' नवाचार के क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग की प्रक्रिया भी विस्तार से समझाई गई। इसके अंतर्गत जिले के 1653 प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों का प्रत्येक माह के अंत में संकुल समन्वयकों द्वारा 10 निर्धारित बिंदुओं पर आधारित 100 अंकों की अंतर-संकुल मॉनिटरिंग कर ग्रेडेशन किया जाएगा। इस व्यवस्था के तहत सभी छह विकासखंडों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 10 एवं न्यूनतम प्रदर्शन करने वाले 10 विद्यालयों की पहचान की जाएगी। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों को विकासखंड स्तर पर सम्मानित एवं पुरस्कृत करने के साथ उनके सफल अनुभव अन्य विद्यालयों के साथ साझा किया जायेगा। कम प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों के लिए विशेष रेमेडियल गतिविधियां संचालित कर शैक्षणिक स्तर में सुधार लाया जाएगा। कार्यशाला में प्रशस्त ऐप, यू-डाइस, अपार आईडी एवं एमबीयू सहित शिक्षा विभाग की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रक्रियाओं, उपयोगिता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। कार्यशाला में डीएमसी मनोज कुमार साहू, डॉ. मोहन साहू, सहायक संचालक शिक्षा अजय सिंह सहित जिले के समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं स्रोत समन्वयक उपस्थित रहे।

दिल्ली महारैली में शामिल हुए जिले के कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। दिल्ली के रामलीला मैदान में विगत दिनों इंडिया गठबंधन द्वारा आयोजित वोट चोर, गद्दी छोड़ महारैली में जिले के बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शशि सिंह के नेतृत्व में जिले का कांग्रेस का बड़ा प्रतिनिधिमंडल पहली बार बड़ी संख्या में दिल्ली पहुंचा और महारैली में शामिल होकर पार्टी के आंदोलन को समर्थन दिया।

महारैली में जिले के कांग्रेसियों की व्यापक भागीदारी को संगठन की एकजुटता, सक्रियता और राजनीतिक प्रतिबद्धता के रूप में देखा जा रहा है। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ आवाज बुलंद करते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, मतदाता अधिकारों के संरक्षण और चुनाव प्रक्रिया में निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग उठाई। कांग्रेस ने इस आयोजन के माध्यम से वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान को भी मजबूती देने का संदेश दिया। महारैली में जिले से पूर्व मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े, पूर्व अजजा आयोग अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजकुमारी मरावी, पूर्व एआईसीसी सदस्य सुनील अग्रवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष भगवती राजवाड़े, प्रदेश सचिव इस्माइल खान, इंका नेता संजय मित्तल, नपा अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े, विद्या सागर सिंह, जिला पंचायत सदस्य द्वय हेमलता राजवाड़े, सुरेश आयाम, महिला कांग्रेस अध्यक्ष आनंद कुँवर, उषा सिंह, मुकेश अग्रवाल, ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र साहू, कुलदीप बिहारी, नवीन जायसवाल, जितेंद्र दुबे, विद्यात्री सिंह, प्रदीप राजवाड़े, लवकेश गुर्जर, संतोष पावले, शिवभजन मरावी, विजय साहू, चंद्रदत्त दुबे, आनंद चौधरी, रुचि अंचल टोप्पो, सुनील सारथी, रोहन राजवाड़े, जाकेश राजवाड़े, जफर हैदर, लिली राजवाड़े, बबिता गुप्ता, विमला सिंह, जरीना सुल्ताना, दिव्या तांजे, अरबीना बेगम, भावना सिंह, खुशी, आकाश साहू, सतवंत सिंह, लिवनेश सिंह, राजू राजवाड़े, चंद्रभान राजवाड़े, हिमेन्द्र गुर्जर एवं समीर सिंह, दिनेश राजवाड़े सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे। प्रेमनगर, भटगांव एवं प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्रों से भी कांग्रेस के जनप्रतिनिधि पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने दिल्ली पहुंचकर महारैली में सहभागिता निभाई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह के नेतृत्व में जिले की इस व्यापक भागीदारी को कांग्रेस संगठन की एकजुटता और आगामी राजनीतिक गतिविधियों के लिए सक्रियता के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। इस दौरान जिले के कार्यकर्ताओं से छत्तीसगढ़ के प्रभारी सुखदेव भगत, अदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया, महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा, पूर्व प्रभारी सचिन पायलेट, प्रदेश की सह प्रभारी जरिता लैतफलांग, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी, पूर्व उप मुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत व एआईसीसी के वरिष्ठ नेताओं से भी भेंट-मुलाकात हुई।

त्यौहारों के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग ने किया विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण, पाई गई कमियों को सुधारने के दिये निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। दीपावली पर्व के मद्देनजर आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जिले में विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह के निर्देशन तथा अभिहित अधिकारी श्रीमती पुष्पा राज चौहान के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूना संग्रहित किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों के किचन में साफ-सफाई की कमी पाए जाने पर सुधार सूचना जारी की गई है। निर्धारित समय-सीमा में आवश्यक सुधार नहीं किए जाने पर नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।



खाद्य सुरक्षा अधिकारी रामप्रकाश जायसवाल एवं सुश्री दीपा साहू ने बिश्रामपुर क्षेत्र के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर विभिन्न मिठाइयों का नमूना गुणवत्ता एवं मानकता जांच हेतु संग्रहित किया। साथ ही पंडित स्वीट्स, बंसल स्वीट्स, गोलू स्वीट्स सहित अन्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर नमूना लिया गया। भैयाथान क्षेत्र स्थित यादव होटल का निरीक्षण कर मिष्ठानों का नमूना संग्रहित किया गया तथा पाई गई कमियों को दूर करने के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा प्रतिष्ठान संचालकों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

महाविद्यालय में लोकतंत्र के लिए युवा' कार्यक्रम का हुआ आयोजन

विद्यार्थियों ने लोकतंत्र, स्वच्छ राजनीति, भ्रष्टाचार एवं जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही पर रखे विचार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। यहां के शासकीय महाविद्यालय में मंगलवार को प्राचार्य रंजीत कुमार सातपुते के मार्गदर्शन में 'लोकतंत्र के लिए युवा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात प्राचार्य द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक कर्तव्यों एवं जिम्मेदार नागरिक बनने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक चेतना, राजनीतिक समझ, जागरूकता तथा राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था।

इस अवसर पर 'आज का लोकतंत्र कैसा होना चाहिए, विषय पर छात्र-छात्राओं के बीच विचार-विमर्श एवं परिचर्चा आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए शिक्षा, राजनीति, भ्रष्टाचार, नेतृत्व क्षमता, नैतिक मूल्यों तथा जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। चर्चा के दौरान विद्यार्थियों ने प्रश्न उठाया कि जनप्रतिनिधि बनने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता क्या होनी चाहिए तथा राजनीति में शिक्षित, ईमानदार और नैतिक मूल्यों से युक्त नेतृत्व की कितनी आवश्यकता है। इसके साथ ही भ्रष्टाचार, आपराधिक छवि वाले नेताओं तथा चुनाव के दौरान मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों पर भी विचार रखे गए।



प्राचार्य श्री सातपुते ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को लोकतंत्र में मतदाता की भूमिका और उसके महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जनता के हाथों में होती है और प्रत्येक मतदाता को चुनाव चिह्न ,जाति, धर्म, क्षेत्र, बाहुबल अथवा अन्य प्रलोभनों से प्रभावित हुए बिना योग्य, ईमानदार एवं जनहित के प्रति समर्पित प्रतिनिधि का चयन करना चाहिए। उन्होंने युवाओं को जागरूक मतदाता बनने तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा भी विद्यार्थियों के विभिन्न प्रश्नों का विस्तारपूर्वक उत्तर दिया गया। शिक्षा, नेतृत्व, राजनीतिक नैतिकता, सामाजिक जिम्मेदारी एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था से संबंधित विषयों पर सारगर्भित चर्चा की गई। इस परिचर्चा ने विद्यार्थियों को लोकतंत्र को केवल मतदान तक सीमित न समझकर एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका पहचानने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

प्रारूप मतदाता सूची में नाम न होने पर पूर्व मतदाता भी भर सकते हैं फॉर्म-6

भारत निर्वाचन आयोग ने जारी किया स्पष्टीकरण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रारूप मतदाता सूची में नाम शामिल न होने की स्थिति में पूर्व मतदाता भी पुनः नाम जुड़वाने के लिए बिना किसी संकोच के फॉर्म-6 भर सकते हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने इस संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए मतदाताओं के असमंजस व संशय को दूर किया है। आयोग के संज्ञान में यह बात आई थी कि कई ऐसे मतदाता, जो पूर्व में पंजीकृत थे लेकिन वर्तमान में प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची में उनका नाम छूट गया है, फॉर्म-6 भरने में झिझक रहे थे। फॉर्म-6 में यह घोषणा देनी होती है कि उनका नाम पहली बार मतदाता सूची में शामिल किया जा रहा है। मतदाताओं को आशंका थी कि पूर्व में पंजीकृत होने के कारण यह घोषणा गलत घोषणा मानी जाएगी और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत उन पर दंडात्मक या कानूनी कार्रवाई हो सकती है। इस पर स्पष्ट करते हुए आयोग ने कहा है कि यदि किसी नागरिक का नाम वर्तमान प्रारूप मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, तो अंतिम सूची में नाम दर्ज कराने के लिए उसे नए सिरे से फॉर्म-6 प्रस्तुत करना आवश्यक है, भले ही वह पूर्व में मतदाता रहा हो। ऐसी परिस्थिति में केवल इस आधार पर फॉर्म-6 भरना गलत या झूठी घोषणा नहीं माना जाएगा कि आवेदक पहले से पंजीकृत था। आयोग का यह रुख दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा याचिका संख्या 14955. 2026 निलोत्पल दत्ता व अन्य बनाम भारत निर्वाचन आयोग व अन्य, निर्णय दिनांक 14.10.2026 में दिए गए आदेश के अनुरूप है। अदालत ने स्पष्ट किया था कि इस संदर्भ में गलत घोषणा संबंधी आशंका पूरी तरह निराधार है और ऐसे आवेदक नियमानुसार फॉर्म-6 जमा कर सकते हैं।

भारत निर्वाचन आयोग ने सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देशित किया है कि केवल इस आधार पर किसी भी आवेदक के विरुद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत कोई कार्रवाई न की जाए कि उसका नाम पहले की किसी मतदाता सूची में था। आवेदक को केवल यह सुनिश्चित करना होगा कि उसका नाम किसी अन्य संसदीय या विधानसभा क्षेत्र की वर्तमान सूची में पहले से पंजीकृत न हो और आवेदन विधिक नियमों के अनुरूप हो। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे वर्तमान प्रारूप मतदाता सूची में अपने नाम की जांच अवश्य करें और नाम न होने पर समय रहते फॉर्म-6 भरकर निर्वाचक नामावली में अपना पंजीकरण सुनिश्चित कराएं।

मतदान केन्द्रों की अंतिम सूची का किया गया प्रकाशन

उप जिला निर्वाचन अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार भारत निर्वाचन आयोग, नई-दिल्ली के निर्देशानुसार मतदाताओं के सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुये मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तरकण के तहत सूरजपुर जिले से भेजे गये प्रस्ताव पर भारत निर्वाचन आयोग से अनुमोदन प्राप्त होने के उपरांत मतदान केन्द्रों की अंतिम सूची का प्रकाशन 3 नवम्बर को कर दिया गया। मतदान केन्द्रों की अंतिम सूची प्रकाशन होने के उपरांत विधानसभा क्षेत्र 04 प्रेमनगर में कुल 312 मतदान केन्द्र, विधानसभा क्षेत्र 05 भटगावं में 339 मतदान केन्द्र, विधानसभा क्षेत्र 06 प्रतापपुर में 329 मतदान केन्द्र दर्ज है। मतदान केन्द्रों की अंतिम प्रकाशन की सूची आम नागरिकों के अवलोकनार्थ हेतु सूरजपुर जिले के वेबसाईट https://sura-jpur.nic.in/ में अपलोड कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त जिला, अनुविभागीय व तहसील कार्यालय के नोटिस बोर्ड में भी आम नागरिकों सूची का अवलोकन कर सकते है।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.

रा०प्र०क्र० / 20(1) / 2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवे. दक / आवेदिका राजेश सिंह आ० / पति पदुमनाथ सिंह जाति निवासी मायापुर कौवाडांड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-कौवाडांड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1517 / 4 रकबा 0.03½ एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 11.11.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 26.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र० / अ-6 अ / 2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सुखो आ. स्व बघोलन व अन्य जाति उराव निवासी ग्राम बधियाचुआ, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक के स्वत्व आधिपत्य की भूमि ग्राम बधिआचुआ में भूमि खसरा नंबर 20 / 3 रकबा 0.579 हे० स्थित है। उक्त भूमि पर आवेदिका का नाम पुकारू नाम सावित्री दर्ज हो गया है उसी प्रकार सहखातेदार राम गुडडू दर्ज हो गया है जिसे सुधार कर सही नाम गुडडी दर्ज कराना चाहता है। जिसे आवेदिका द्वारा सुधार कराकर अपना सही नाम सावित्री उर्फ सुनिता आ. बघोलन तथा राम गुडडू को सुधार कर सही नाम गुडडी दर्ज कराना चाहती है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 23 / 11 / 2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा । आज दिनांक 20 / 10 / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

किशोरी को भगाकर पश्चिम बंगाल ले जाने वाले आरोपी को पुलिस ने 9 महीने बाद दबोचा

पुलिस टीम ने गर्भवती किशोरी को बरामद किया, साइबर सेल की रही अहम भूमिका

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर की एक नाबालिग लड़की के साथ प्यार के नाम पर धोखा और दरिंदगी का मामला सामने आया है। थाना गांधीनगर पुलिस ने मामले में 9 महीने से फरार आरोपी को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद से गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, बीते 16 फरवरी को नाबालिग लड़की सुबह घर से बिना बताए कहीं चली गई। शाम तक जब वह नहीं लौटी तो स्वजन ने रिश्तेदारों के यहां और आसपास तलाश किया। नहीं मिलने पर गांधीनगर थाने में किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने की सूचना दी गई थी, जिस पर पुलिस ने धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपहरण का मामला दर्ज किया था। कार्रवाई में थाना प्रभारी शशिकांत सिन्हा, प्रशिक्षु एसआई भारतीय माकंडेय, एएसआई वीरेंद्र कुजूर, धनंजय पाठक, आरक्षक आनंद केरकेट्टा, अमीर सिंह, केवल साहू की अहम भूमिका रही।



लोकेशन ट्रेस करने पर निकला बंगाल कनेक्शन

नाबालिग लड़की के तलाश में लगी पुलिस को महीनों तक कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद मामला साइबर सेल को दिया गया। साइबर सेल ने तकनीकी विश्लेषण, मोबाइल टॉवर लोकेशन और सोशल मीडिया के जरिए आरोपी का पता लगाया। इसके बाद लोकेशन पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के शिमूलदंगा गांव में मिला। एसएसपी राजेश अग्रवाल ने तुरंत एक विशेष टीम को बंगाल रवाना किया। टीम ने स्थानीय पुलिस की मदद से शक्तिपुर थाना क्षेत्र में दबिश दी और आरोपी सुजाय मंडल पिता उत्तम मंडल 25 वर्ष के घर से नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया। आरोपी की पहचान सुजाय मंडल के रूप में हुई है।

ट्रांजिट रिमांड पर लाया आरोपी को अंबिकापुर

थाने लाकर पीड़िता से महिला अधिकारी की मौजूदगी में पूछताछ की गई तो सामने आया कि आरोपी ने उसे शादी का झांसा देकर बहलाया, अंबिकापुर से भगाकर बंगाल ले गया, वहां अपने घर में रखा और लगातार दुष्कर्म करता रहा। इस दौरान पीड़िता गर्भवती हो गई। पुलिस ने पीड़िता के बयान के आधार पर मामले में धारा 87, 65(1) बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की धारा 4 और 6 जोड़कर आरोपी से पूछताछ की तो वह अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी को गिरफ्तार करके ट्रांजिट रिमांड पर अंबिकापुर लाया गया और न्यायालय में पेश किया गया।

साल्ही मोड़ पर अस्पताल निर्माण के लिए 10 एकड़ जमीन का सीमांकन

ग्रामीणों ने उठाया महुआ पेड़ों और मुआवजे का मुद्दा

छ.ग.फ्रंटलाइन उदयपुर। पीईकेबी कोयला परियोजना प्रभावित उदयपुर क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए प्रस्तावित अस्पताल निर्माण की दिशा में ग्राम पंचायत साल्ही के साल्ही मोड़ से 200 मीटर आगे करीब 10 एकड़ जमीन का अस्पताल के लिए सीमांकन किया गया है। मंगलवार को सुबह 11.30 बजे शुरू हुई सीमांकन प्रक्रिया में एसडीएम रामराज सिंह, तहसीलदार तारा सिदार, आरआई, पटवारी और राजस्व विभाग की टीम के साथ एसडीओपी राकेश बघेल, थाना प्रभारी शिशिरकांत सिंह और पुलिस स्टाफ मौजूद रहे। वहीं सरपंच प्रतिनिधि विजय सिंह, पूर्व सरपंच विजय कोर्राम, ठाकुर राम देव सिंह करियाम, भगवती सिंह, आनंद खुसरो सहित 30-40 ग्रामीण और कंपनी प्रबंधन के अधिकारी भी उपस्थित रहे।



महुआ के पेड़ों और कब्जे का मुद्दा-सीमांकन के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि प्रस्तावित जमीन शासकीय गौचर भूमि है, जिस पर आनंद खुसरो, भगवती सिंह, बुधराम, अलकराम, बलराम सिंह, ठाकुर राम सहित कई ग्रामीण लंबे समय से खेती कर रहे हैं। जमीन पर 50-60 महुआ के पेड़ सहित अन्य पेड़ हैं, जिनसे उनकी आजीविका जुड़ी है। पेड़ों को हटाने की आशंका पर ग्रामीणों ने आपत्ति जताई।

15 दिन में दोबारा सर्वे के निर्देश-ग्रामीणों की आपत्ति सुनने के बाद एसडीएम रामराज सिंह ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिया कि जमीन का फिर से सर्वे करें। प्रत्येक ग्रामीण के कब्जे वाली भूमि, महुआ और अन्य पेड़ों की संख्या का अलग-अलग विवरण तैयार करके 15 दिनों के भीतर तहसील कार्यालय में रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। इसके बाद नियमानुसार मुआवजे पर विचार किया जाएगा। पूर्व सरपंच विजय कोर्राम और सरपंच प्रतिनिधि ने कहा कि जब तक जमीन, कब्जे और मुआवजे का मामला पूरी तरह स्पष्ट नहीं होता, तब तक निर्माण शुरू न किया जाए।

वर्षों से इंतजार कर रहे ग्रामीण-बता दें कि परसा ईस्ट एवं केता बासेन द्वारा कोयला परियोजना का संचालन राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम के लिए किया जा रहा है, जिसमें अडानी समूह की कंपनी की भूमिका है। 2023 में ग्रामीणों ने साल्ही मोड़ पर अस्पताल की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा था। ग्रामीणों को उम्मीद है कि, अस्पताल में आपातकालीन उपचार, विशेषज्ञ डॉक्टर, प्रसूति एवं शिशु चिकित्सा, जांच सुविधाएं और ऑपरेशन थिएटर जैसी आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। इन सबके बीच अब सबकी नजर 15 दिन में होने वाले दोबारा सर्वे और मुआवजा प्रक्रिया पर टिकी है।

कीटनाशक का सेवन किए ग्रामीण की इलाज के दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक व्यक्ति अज्ञात कारणों से कीटनाशक का सेवन कर लिया, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, प्रतापपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पम्पापुर निवासी जमुना प्रसाद सिंह पिता पंचम राम आयाम 49 वर्ष, घटना दिनांक 31 अक्टूबर को अपने पुराने घर में थे। इस बीच भाई वीरेन्द्र सिंह ने अपने भतीजा मनीष को फोन करके उसके पिता जमुना प्रसाद के बारे में पूछा, तो वह इससे अनभिज्ञ था। चाचा ने उसे तुरंत पिता की खोज-खबर लेने के लिए कहा। जब वह अपने पिता को तलाशते पुराने घर में गया तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा नहीं खुला। किसी तरह दरवाजे को खोलकर जब वे अंदर गए तो कीटनाशक का गंध आ रहा था। इसकी जानकारी मनीष अपने चाचा को दिया, इसके बाद स्वजन उन्हें पम्पापुर अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसे रिफर कर दिया। होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर में इलाज के दौरान मंगलवार को अपरान्ह करीब 3 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

ऑटो में स्कूटी लोड करके ले गई महिला, चोरी की रिपोर्ट दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। वाहन चालक का काम करने वाले युवक का स्कूटी वाहन एक महिला ऑटो में जबरन लोड करके ले गई।?

जानकारी के मुताबिक अरविंद कुजूर 31 अक्टूबर को सुबह 8 बजे अपनी स्कूटी वाहन क्रमांक सीजी 15 ईडी 1770 लेकर अखिलेश जायसवाल के यहां काम पर गया था, जो उसकी पत्नी पौलिना एक्का के नाम पर है। शाम 7 बजे वापस आया तो स्कूटी गायब थी। आसपास के लोगों रूपा पांडेय, प्रियंका एक्का और दिनेश कुमार ने बताया कि मदन राजवाड़े की पत्नी जो कंठी निवासी बता रही थी, स्कूटी को अपना बताते हुए ऑटो में लोड करके ले गई। काफी मना करने के बाद भी वह नहीं मानी। मामले में पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया है, और अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

रायपुर में 29 को जी.एच. रायसोनी मेमोरियल स्कूल स्टेट चेस टूर्नामेंट

विजेताओं को मिलेगा 3 लाख, छत्तीसगढ़ के पांचों संभाग से करीब 500 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ द्वारा कल्पना प्रकाश वेलफेयर फाउंडेशन के सहयोग से आगामी 29 नवंबर को रायपुर में एक दिवसीय राज्य स्तरीय रैपिड शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जी.एच. रायसोनी मेमोरियल स्कूल स्टेट चेस टूर्नामेंट के अंतर्गत आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेश के पांचों संभागों रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, सरगुजा और बस्तर से लगभग 500 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रदेश में शतरंज के विकास और स्कूली विद्यार्थियों में इस खेल के प्रति रुचि बढ़ाने तथा उभरती प्रतिभाओं को राज्य स्तरीय मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में विजेताओं को कुल 3 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। यह प्रतियोगिता प्रदेश के स्कूली शतरंज खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा निखारने, प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव प्राप्त करने और राज्य स्तर पर अपनी पहचान बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगी।

छह आयु वर्गों में होंगे मुकाबले

प्रतियोगिता में अंडर-7, अंडर-9, अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15 और अंडर-17 आयु वर्गों में बालक एवं बालिकाओं के मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक आयु वर्ग के लिए 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है, जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 7000 रुपये व ट्रॉफी, द्वितीय को 5000 व ट्रॉफी, तृतीय को 3000 व ट्रॉफी, चतुर्थ को 2000 व मोमेंटो, पंचम, षष्ठम और सप्तम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को 1500 रुपये व मोमेंटो, 8वें, 9वें व 10वें स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को 1000 रुपये व मोमेंटो प्रदान किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त सभी खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र और मेडल प्रदान किए जाएंगे।

संभाग स्तरीय चयन प्रतियोगिताएं आयोजित

इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के विभिन्न संभागों में पहले ही संभाग स्तरीय चयन प्रतियोगिताएं आयोजित की जा चुकी हैं। चयन प्रतियोगिताओं में स्थान नहीं बना पाने वाले खिलाड़ी भी निर्धारित नियमों के अनुसार डोनर एंट्री के माध्यम से प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं।

सरगुजा के खिलाड़ियों को विशेष रियायत

सरगुजा जिले के शतरंज खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतियोगिता के निर्धारित प्रवेश शुल्क में 50 प्रतिशत की विशेष छूट दी जा रही है। इसके तहत सरगुजा के खिलाड़ी मात्र 250 रुपये प्रवेश शुल्क देकर अपना पंजीयन करा सकते हैं। वहीं, डोनर एंट्री के माध्यम से भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रवेश शुल्क 500 रुपये निर्धारित किया गया है। प्रतियोगिता में प्रवेश लेने की अंतिम तिथि 22 नवंबर निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि के बाद पंजीयन कराने वाले खिलाड़ियों को नियमानुसार विलंब शुल्क देना होगा। सरगुजा के जो खिलाड़ी इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं, वे पंजीयन एवं अन्य आवश्यक जानकारी के लिए शतरंज के राष्ट्रीय निर्णायक शेष रतन जायसवाल से मोबाइल नंबर 96699 44489 पर संपर्क कर सकते हैं।

नशे में धुत बाइक सवार पर कोर्ट ने लगाया 10 हजार जुर्माना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए सरगुजा पुलिस ने सख्ती तेज कर दी है। इसी क्रम में बतौली थाना पुलिस ने ड्रंक एंड ड्राइव के मामले में एक बाइक सवार को पकड़कर न्यायालय में पेश किया, जहां कोर्ट ने 10,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

जानकारी के मुताबिक मामला 4 नवंबर का है, थाना बतौली पुलिस चेकिंग पर थी। इस दौरान बजाज एवेंजर मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 15 डीएफ 4696 के चालक राजा विल्सन लकड़ा पिता विनोद लकड़ा 26 वर्ष, निवासी महेशपुर थाना दरिमा को पुलिस ने रोका। मौके पर वह शराब के नशे में धुत मिला। पुलिस ने उसका मेडिकल मुलाहिजा कराया, जिसमें शराब पीकर वाहन चलाने की पुष्टि हुई। आरोपी के खिलाफ धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय ने 10,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। पुलिस ने कहा है कि यातायात नियम तोड़ने वालों पर आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। कार्रवाई में थाना प्रभारी विवेक सेंगर व स्टाफ सक्रिय रहे।

कॉलेज के छात्र से मारपीट, बीच-बचाव करने वालों पर भी हमला

माता राजमोहनी भवन के सामने की घटना, 3 के विरूद्ध केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के मनेन्द्रगढ़ रोड में पीजी कॉलेज के पास आदिवासी छात्र और बीच-बचाव करने आए उसके दो साथियों के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। मामले में गांधीनगर थाना पुलिस ने 3 लोगों के विरूद्ध अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (नृशंसता निवारण) अधिनियम व बीएनएस की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, सूरजपुर जिले के जयनगर थाना अंतर्गत ग्राम सिलफिली निवासी संदीप मरकाम (20) पीजी कॉलेज अंबिकापुर में बीए द्वितीय वर्ष में पढ़ता है। संदीप ने पुलिस को बताया है कि वह 3 नवंबर को सुबह 8 बजे बस से कॉलेज पढ़ने आया था। दोपहर करीब 2 बजे पढ़ाई खत्म करके वह राजमोहनी देवी भवन की ओर से घर जाने निकला था, यहां रास्ते में भीड़ लगी थी। भीड़ में मौजूद चीनू खान से उसने कहा भैया मुझे आगे जाना है, आप लोग रोड में भीड़ क्यों लगाए हो। आरोप है कि इतना सुनते ही चीनू खान भड़क गया। उसने छात्र का नाम-पता पूछा और जातिगत गली देते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा। इसी बीच वहां चीनू के साथी आ गए। चीनू ने इनसे कहा ये लड़का ज्यादा नेता बन रहा है, और तीनों मिलकर उसके साथ मारपीट करने लगे।

शोर सुनकर पीजी कॉलेज का सीनियर छात्र आकाश कश्यप वहां पहुंचे और कॉलेज के लड़के को मारने का कारण पूछे तो आरोपियों ने आकाश को भी पीट दिया। दूसरा छात्र सतेन्द्र मिश्रा बीच-बचाव करने लगा तो उसकी भी गाली-गलौज करते हुए हाथ-मुक्का और डंडे से पिटाई कर दी। गांधीनगर पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर चीनू खान सहित तीन के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट व बीएनएस की धारा 115(2), 126(2), 296, 3(5), 351(3) के तहत मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

पोल से ट्रांसफार्मर उतारकर ले जाने की तैयारी ग्रामीणों के सतर्कता से हुई फेल

एक संदिग्ध से पुलिस कर रही पूछताछ, दो फरार लोगों की तलाश जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन उदयपुर। उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मुडगांव में रात के अंधेरे में ट्रांसफार्मर चोरी का बड़ा खेल होने वाला था, लेकिन ग्रामीणों की मुस्तैदी ने चोरों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। पोल से ट्रांसफार्मर उतारकर वाहन में लोड करने की तैयारी चल रही थी, तभी ग्रामीणों ने एक संदिग्ध को धर दबोचा और पुलिस को खबर कर दी।

जानकारी के मुताबिक, सोमवार-मंगलवार की दरम्यानी रात चोरों ने बिजली पोल पर चढ़कर ट्रांसफार्मर नीचे उतार लिया था और उसे पिकअप में लोड करके ले जाने वाले थे। इसी दौरान गांव के कुछ लोगों की नजर पड़ी। ग्रामीणों ने हल्ला मचाया तो दो लोग अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले, जबकि एक संदिग्ध को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। सूचना पर डॉयल 112 की टीम तुरंत मुडगांव पहुंची और संदिग्ध को हिरासत में लेकर उदयपुर थाने ले गई। सुबह होते ही सीएसपीडीसीएल की टीम भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

बताया जा रहा है कि दिन में दूसरी जगह ट्रांसफार्मर और केबल लगाने का काम करके रात में चोरी की वारदात को अंजाम दिया जाता है। इस मामले में एक पेटी कांट्रेक्टर का नाम भी सामने आया है। हालांकि पुलिस व बिजली विभाग की जांच के बाद ही उसकी भूमिका साफ होगी। सीएसपीडीसीएल उदयपुर के जेई राजेंद्र राजवाड़े ने बताया कि इससे पहले सरगांवा में ट्रांसफार्मर और रकेली जंगलपारा में केबल चोरी की घटना हो चुकी है, जिसकी प्राथमिकी थाने में दर्ज है। मुड़गांव मामले में भी एफआईआर की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। फिलहाल पुलिस संदिग्ध से पूछताछ करके फरार अन्य साथियों के तलाश में लगी है।



एपीके फाइल पर क्लिक करना महंगा पड़ा, महिला के खाते से 5.58 लाख हुआ ट्रांसफर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला एपीके फाइल के झांसे में आकर साइबर ठगी का शिकार हो गई। महिला के खाते से साइबर ठगों ने 5 लाख 58 हजार 348 रुपये उड़ा दिए। रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।?

जानकारी के मुताबिक, गांधीनगर थाना क्षेत्र के गोधनपुर वार्ड 05 की शांति गुप्ता पति सुरेन्द्र प्रसाद गुप्ता (51) का आईसीआईसीआई बैंक में खाता है, जो उनके मोबाइल नंबर से लिंक है और वह उसी नंबर से फोन पे का संचालन करती है। एक और दो नवंबर के बीच उनके खाते में 5 लाख 58 हजार 829 रुपये थे। 2 नवंबर को जब वह फोन पे से रुपये ट्रांसफर कर रही थी तो नहीं हुआ। शक होने पर जब उन्होंने फोन पे और बैंक स्टेटमेंट चेक किया तो होश उड़ गए, खाते में सिर्फ 481 रुपये शेष थे। फोन पे का हिस्ट्री देखने पर पता चला कि 1 से 2 नवंबर के बीच बिना उनकी सहमति के कई बार में 5 लाख 58 हजार 348 रुपये अलग-अलग खातों और ऐप में ट्रांसफर कर लिए गए हैं।

महिला ने तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करके इसकी शिकायत की। वहां से उन्हें दो एकनालेजमेंट नंबर मिले। साइबर टीम ने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके मोबाइल पर एपीके फाइल के जरिए एक लिंक भेजा था। अनजाने में उस लिंक पर क्लिक करते ही मोबाइल का कंट्रोल ठगों के पास चला गया और खाता खाली हो गया। पीड़िता ने बैंक स्टेटमेंट और साइबर पोर्टल की कॉपी के साथ लिखित आवेदन गांधीनगर थाने में दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर साइबर सेल की मदद से जांच शुरू कर दी है।

एपीके फाइल, लिंक से रहें सावधान

पुलिस ने अपील की है कि अनजान नंबर से आए किसी भी एपीके फाइल या लिंक पर क्लिक न करें, वरना खाता खाली हो सकता है।

धनतेरस और दीपावली पर अंबिकापुर में ट्रैफिक डायवर्ट, पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

शहर में 8 पार्किंग स्थल तय-देव होटल से महामाया चौक, अग्रसेन चौक से थाना चौक तक 4 पहिया-तिपहिया वाहन प्रतिबंधित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। धनतेरस और दीपावली त्योहार पर शहर में भीड़ को देखते हुए सरगुजा पुलिस ने यातायात एडवाइजरी जारी की है। डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देश पर 6 नवंबर धनतेरस और 8 नवंबर दीपावली के लिए विशेष ट्रैफिक व्यवस्था बनाई गई है। शहर में जाम से बचने के लिए 8 जगह पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। ट्रैफिक पुलिस का अमला सड़कों पर तैनात रहेगा। सरगुजा पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि, एडवाइजरी का पालन करें, मुख्य मार्ग पर वाहन खड़ा न करें और यातायात को सुगम बनाने में सहयोग करें।

पार्किंग के लिए तय स्थल

पी-1 गांधी चौक व घड़ी चौक की ओर आने वाले वाहन कलाकेन्द्र मैदान, पी-2 व पी-8 गांधी चौक व घड़ी चौक की ओर आने वाले टू-व्हीलर निशांत मेडिकल के बगल में नगर निगम पार्किंग व चित्र मंदिर पार्किंग, पी-3 अग्रसेन चौक व नया बस स्टैंड से पूनम लॉज चौक की ओर आने वाली गाड़ियां पुराना बस स्टैंड, पी-4 अग्रसेन चौक व सद्भावना चौक से सदर रोड व महामाया चौक की ओर आने वाले वाहन बरेज तालाब के बगल में, पी-5 महामाया चौक व थाना चौक से आने वाले दोपहिया वाहन नगर निगम स्कूल, पी-6 गुदरी चौक से गुरुनानक/थाना चौक व पुलिस लाइन की ओर आने वाली गाड़ियां मल्टी परपज स्कूल, पी-7 संगम चौक, शर्मा फर्नीचर, गुदरी बाजार व जोड़ा पीपल की ओर से आने वाले टू-व्हीलर वाहनों को मानसून एग्रो पार्किंग में खड़ी करने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

ये मार्ग रहेंगे प्रतिबंधित

चार पहिया और तीन पहिया वाहनों के लिए 5 मार्ग बंद रहेंगे, इनमें देव होटल से महामाया चौक, अग्रसेन चौक से थाना चौक, ब्रह्म मंदिर मोड़ से संगम चौक, थाना चौक से महामाया चौक और गुदरी चौक से संगम चौक शामिल हैं।

तुर्रापानी में जुआ पर दांव लगाते 5 पकड़ाए, 12,500 रुपये जब्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांधीनगर पुलिस ने 2 नवंबर की रात तुर्रापानी क्षेत्र में जुआ खेल रहे 5 जुआरियों को पकड़ा। इनके पास से 12 हजार 500 रुपये और ताश की पत्ती पुलिस ने बरामद किया है। जानकारी के अनुसार, रात्रि गश्त के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि तुर्रापानी प्रिंस कॉटेज के बगल में और सामने सीसी रोड पर सार्वजनिक कुछ लोग 52 पत्ती ताश से रुपये-पैसे का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। पुलिस ने मौके पर इबिश दी और पहली कार्रवाई में विकास सोनी से 1900 रुपये और अनिल कुमार राठौर से 2200 रुपये, कुल 4100 रुपये, दूसरी कार्रवाई में राजेश कंसारी से 4600 रुपये, सिकंदर से 2000 रुपये और अरुण सिंह से 1800 रुपये, कुल 8400 रुपये बरामद किया। सभी आरोपियों के विरूद्ध जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई करने के बाद पुलिस ने जमानत मुचलके पर रिहा किया।

एचआईव्ही/एड्स नियंत्रण में सरगुजा बना छत्तीसगढ़ का पहला जिला

राष्ट्रीय स्तर पर लगातार दूसरी बार सुरक्षित श्रेणी का मिला सम्मान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (एनएसीपी) के अंतर्गत एचआईव्ही/एड्स नियंत्रण के क्षेत्र में सरगुजा जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले ने लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षित श्रेणी में स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही सरगुजा छत्तीसगढ़ का पहला जिला बन गया है, जिसने मॉडरेट श्रेणी में सुरक्षित स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि जिले द्वारा एचआई व्ही/एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के निर्धारित तीनों 95-95-95 लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त करने के परिणामस्वरूप हासिल हुई है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम द्वारा सरगुजा जिले को सुरक्षित श्रेणी में नामांकित करते हुए प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। यह प्रमाण-पत्र कृषि एवं अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री रामविचार नेताम के द्वारा जिलाधीश, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा नोडल अधिकारी को प्रदान किया गया। यह सम्मान जिले में एचआईवही/एड्स की रोकथाम, समय पर जांच, एंटीरेट्रोवायरल उपचार (एआरटी) की उपलब्धता तथा वायरल लोड नियंत्रण के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों और प्रभावी कार्यक्रम क्रियान्वयन का प्रमाण है।

इस उपलब्धि में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, जिला एड्स नियंत्रण इकाई, स्वास्थ्यकर्मियों, कार्यक्रम प्रबंधकों तथा सहयोगी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सभी के समन्वित प्रयासों से सरगुजा जिले ने एचआईव्ही/एड्स नियंत्रण के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED
बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।
डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद
समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा
बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर